सूर्योदय - 06:26
सूर्यास्त - 05 : 44

अधिकतम तापमान 32.0°
न्यूनतम तापमान 19.0°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# ओपन सर्च

RNI No.DELHIN/2015/66886

खबरें और विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

Mob. : 9210092542
opensearchnews@gmail.com

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 12 अंक : 333 नई दिल्ली, शनिवार 07 नवम्बर-2026
नई दिल्ली, हरियाणा, बिहार से प्रकाशित
` मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

# अमित शाह ने उत्तराखंड राज्योत्सव समारोह को संबोधित किया

## 2047 में विकसित भारत की यात्रा में सबसे पहले विकसित राज्य देवभूमि उत्तराखंड होगा : अमित शाह

**देहरादून.एजेंसी**

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देहरादून में उत्तराखंड राज्योत्सव समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पंर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज हमारे स्वर्गीय नेता श्रद्धेय अटल जी को याद करने और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है।

कई वर्षों से यहां के लोग उत्तराखंड राज्य की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे थे, लेकिन विपक्षी पार्टियों की सरकारों ने उत्तराखंड नहीं बनने दिया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी ने 9 नवंबर, 2000 को उत्तराखंड की स्थापना कर बरसों पुरानी इस मांग को साकार करने का काम किया।

अमित शाह ने कहा कि अटल जी ने उत्तराखंड को बनाया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने उत्तराखंड को संवारने का काम किया है। विकसित भारत की यात्रा में विकसित




**शाह ने कहा कि अटल जी ने उत्तराखंड को बनाया और प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड को संवारने का काम किया है। विकसित भारत की यात्रा में विकसित उत्तराखंड सबसे पहला पड़ाव है। हमारी सरकार ने उत्तराखंड राज्योत्सव को गौरव, सिद्धि और संकल्प के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। उत्तराखंड की देवभूमि और श्रद्धेय अटल जी द्वारा उत्तराखंड बनाने के निर्णय पर हम गर्व करते हैं**

उत्तराखंड सबसे पहला पड़ाव है। हमारी सरकार ने उत्तराखंड राज्योत्सव को गौरव, सिद्धि और संकल्प के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। उत्तराखंड की देवभूमि और श्रद्धेय अटल जी द्वारा उत्तराखंड बनाने के निर्णय पर हम गर्व करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में विकसित उत्तराखंड बनने की ओर हम बढ़ रहे हैं, इस सिद्धि पर भी हमें बहुत गर्व है। हम संकल्प लेते हैं कि 2047 में विकसित भारत की यात्रा में सबसे पहले विकसित राज्य देवभूमि उत्तराखंड होगा।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि माँ भारती की रक्षा के लिए देवभूमि के निवासियों और युवाओं जो बलिदान दिया है, आज उनके स्वप्न को साकार करने का संकल्प लेने का दिन है। हमारी सांस्कृतिक धरोहर और उत्तराखंड के पर्यावरण को संभाल कर उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाने का संकल्प लेना है।

नई युवा पीढ़ी देशभक्ति और शौर्य के रास्ते पर चले, इसका भी हमें संकल्प लेना है। अमित शाह ने कहा कि केन्द्र में प्रधानमंत्री मोदी जी और उत्तराखंड में मुख्यमंत्री धामी जी उत्तराखंड के विकास के लिए काम कर रहे हैं। हमारी सरकार ने लगातार 10 साल तक उत्तराखंड के विकास को थमने नहीं दिया है।

आज ही इतने छोटे से राज्य में 1508 करोड़ रूपए की लागत वालेकुल 63 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण हुआ है। आज 15 लोगों को उत्तराखंड गौरव सम्मान और 6 लोगों को राज्य बाल वीरता पुरस्कार और 2 लोगों को Lifetime Achievement Award दिया जाएगा। ये प्रतीक है कि हमारी सरकार उत्तराखंड को महान बनाने में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित कर गौरवान्वित महसूस करती है। अमित शाह ने कहा कि उत्तराखंड की जीएसडीपी में 2022 से अब तक 50% की वृद्धि हुई है।

जीएसडीपी राज्य के अर्थतंत्र की विकास का एक मानांक है लेकिन राज्य विकसित होने के साथ-साथ राज्य का नागरिक भी समृद्ध होना चाहिए। हमारी सरकार ने उत्तराखंड में प्रति व्यक्ति आय को 40% तक बढ़ाने का काम किया है।

## झारखंड के खूंटी में भीषण सड़क हादसा :

# बेकाबू ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंदा, 7 की दर्दनाक मौत

**खूंटी/झारखंड.एजेंसी**



झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक अनियंत्रित 18 पहिया ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े लोगों को कुचल दिया। दिल दहला देने वाले इस हादसे में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिनमें चार महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। मृतकों में एक ही परिवार की तीन पीढ़ियां–मां, बेटी और नातिन–भी शामिल हैं। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में उपचार जारी है।

मदद के लिए जुटे थे लोग, तभी काल बनकर आया ट्रेलर प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना गुरुवार रात कर्रा-तोरपा मुख्य मार्ग पर पोड़ा से पहले जोने-लुदरू मोड़ (कोशांबी कॉलोनी) के पास हुई, एक स्कूटी सवार अनियंत्रित होकर पुलिया के पास झाड़ियों में गिर गया था। शोर सुनकर पास की कॉलोनी से स्थानीय लोग मदद के लिए पहुंचे।

पुरुष जहां झाड़ी में फंसे स्कूटी सवार को निकालने का प्रयास कर रहे थे, वहीं महिलाएं और बच्चे सड़क किनारे खड़े होकर देख रहे थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार बेकाबू ट्रेलर (JH 02 AJ 1377) ने सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंद दिया। चालक-खलासी फरार: छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक और खलासी वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि चालक शराब के नशे में था और वाहन अत्यधिक तेज गति में था। मृतकों में पाको देवी, कसीला देवी, मानहू देवी, गोलू कुमार, अंजलि कुमारी, तूती कुमारी और 12 वर्षीय सौरभ नायक शामिल हैं।

### प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के खूंटी में सात लोगों की मौत पर जताया दुख

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के खूंटी जिले में एक सड़क दुर्घटना के दौरान सात लोगों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि झारखंड के खूंटी में हुए हादसे में लोगों की जान जाने से गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' यह घटना झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 10 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, कर्रा-तोरपा मुख्य सड़क पर जोने-लुदरू मोड़ के पास एक स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। स्कूटी सवार की मदद के लिए आसपास के ग्रामीण सड़क किनारे जुटे थे।

# दीपावली और छठ पर डीडीयू जंक्शन पर यात्रियों की भीड़, बाथरूम तक में बैठे लोग



**चंदौली.एजेंसी**

दीपावली और छठ पूजा से पहले दीनदयाल (डीडीयू) जंक्शन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। पुरुषोत्तम एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं है, लोग बाथरूम तक में बैठकर सफर करने को मजबूर हैं। यात्रियों का कहना है कि 12-13 घंटे से एक ही जगह बैठे हैं, हिल भी नहीं पा रहे और महिलाओं-बच्चों की हालत ज्यादा खराब है। टिकट कंफर्म नहीं हो रहे, वेटिंग 276 तक पहुंच गई है और स्पेशल ट्रेनें भी पर्याप्त नहीं हैं। दीपावली और छठ पूजा से पहले डीडीयू जंक्शन पर यात्रियों की भारी भीड़ के बीच एक पैसेंजर कृष्णा कुमार ने कहा,'हम पुरुषोत्तम एक्सप्रेस से आनंद विहार से धनबाद जा रहे हैं। ट्रेन में बहुत असुविधा हो रही है। बैठने की जगह नहीं है और बाथरूम जाने की जगह भी नहीं है। बाथरूम में लोग बैठे हैं। एक बाथरूम खाली है, उसमें पानी भी नहीं है। बहुत दिक्कत हो रही है। 12-13 घंटे से एक ही जगह बैठे हैं और हिल भी नहीं पा रहे हैं। हम लोग तो किसी तरह बैठे भी हैं, लेकिन महिलाओं की स्थिति और खराब है।' उन्होंने कहा कि बहुत ज्यादा परेशानी है। अब क्या ही बताएं, आप लोग खुद देख रहे हैं कि लोग किसी तरह सफर कर पा रहे हैं।

छठ पूजा में घर जा रहे हैं और अभी आगे भी भीड़ बढ़ेगी। सरकार कुछ ऐसा करे कि आने-जाने में कोई असुविधा न हो। एक अन्य पैसेंजर विशाल कुमार ने कहा कि मैं प्रयागराज से पटना जा रहा हूं। ना तो सीट मिली, ना ट्रेन टिकट कंफर्म हुआ। तत्काल में टिकट कराया था, वो भी कंफर्म नहीं हुआ। स्थिति ऐसी है कि दो महीने पहले कटी हुई टिकट भी कंफर्म नहीं हुई। एक अन्य पैसेंजर ने कहा कि आप देख सकते हैं, खड़ा होने के लिए भी जगह नहीं है।

# धनतेरस पर स्वस्थ जीवन का लें संकल्प, आयुर्वेद और निवारक स्वास्थ्य देखभाल अपनाएं : पीएम

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दी धनतेरस की शुभकामनाएं

**नई दिल्ली.ओपन सर्च**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को धनतेरस के अवसर पर देशवासियों से बेहतर स्वास्थ्य का संकल्प लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में निहित निवारक स्वास्थ्य देखभाल (प्रिवेंटिव हेल्थकेयर) और स्वस्थ जीवनशैली की आदतें अपनाकर परिवार एक बेहतर और स्वस्थ भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुर्वेद केवल बीमारियों के उपचार पर ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य को बनाए रखने और रोगों की रोकथाम पर भी विशेष जोर देता है।

उन्होंने कहा कि निवारक स्वास्थ्य देखभाल व्यक्ति और परिवार दोनों के समग्र कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए संदेश में स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने पर बल दिया गया है,



**प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आयुर्वेद केवल बीमारियों के उपचार पर ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य को बनाए रखने और रोगों की रोकथाम पर भी विशेष जोर देता है। उन्होंने कहा कि निवारक स्वास्थ्य देखभाल व्यक्ति और परिवार दोनों के समग्र कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है**

जिसमें संतुलित एवं सजग भोजन, नियमित योग, पर्याप्त नींद और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने जैसी आदतों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी गई है। उनका कहना है कि इन उपायों से लंबे समय में बेहतर स्वास्थ्य परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, इस धनतेरस बेहतर स्वास्थ्य का संकल्प लें। केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया है कि आयुर्वेद स्वास्थ्य संरक्षण पर कितना जोर देता है और निवारक स्वास्थ्य देखभाल क्यों आवश्यक है। उन्होंने परिवारों से अपील की कि वे स्वस्थ भोजन, नियमित योगाभ्यास, पर्याप्त आराम और समय पर स्वास्थ्य जांच जैसी आदतों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि अपने प्रियजनों के स्वास्थ्य में निवेश करना किसी भी परिवार का सबसे मूल्यवान निवेश है।

आज अपनाई गई अच्छी जीवनशैली की आदतें आने वाले वर्षों में पूरे परिवार को स्वस्थ और सुरक्षित रखने में मदद करेंगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी अपने संदेश में कहा कि धनतेरस केवल भौतिक संपत्ति में निवेश का अवसर नहीं है, बल्कि यह बेहतर स्वास्थ्य और मानसिक सुख-समृद्धि के प्रति प्रतिबद्धता दोहराने का भी उपयुक्त अवसर है।

# योगी सरकार अब आपदा में जान गंवाने वालों के परिवार को देगी आठ लाख की आर्थिक मदद

**ओपन सर्च. संवाददाता**



**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) के तहत दी जाने वाली आर्थिक सहायता के मानकों में बदलाव करते हुए मुआवजे की राशि में बढ़ोतरी की है। अब प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिवार को चार लाख रुपये के स्थान पर आठ लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

इसके साथ ही फसल नुकसान, पशुधन की क्षति और मकान के नुकसान पर मिलने वाली सहायता राशि में भी बढ़ोतरी की गई है। नए मानक वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक प्रभावी रहेंगे। योगी सरकार का उद्देश्य आपदा प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक संबल देने के साथ उनकी आजीविका को दोबारा पटरी पर लाना है।

राहत आयुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि प्राकृतिक आपदा में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसके परिजनों को मिलने वाली सहायता राशि को दोगुना कर दिया गया है। पहले चार लाख रुपए की सहायता दी जाती थी, जिसे बढ़ाकर अब आठ लाख रुपये कर दिया गया है। इसी तरह प्राकृतिक आपदा में गाय, भैंस, घोड़े या ऊंट जैसे बड़े पशुओं की मृत्यु होने पर मिलने वाली सहायता राशि 40 हजार से बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दी गई है।

# पंचायत सरकार भवनों के निर्माण में तेजी लाएं, रखरखाव की जिम्मेदारी संवेदकों को दें : सीएम



**मुख्यमंत्री ने जलमीनारों पर प्रस्तावित 5 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल की जगह 20 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगाने तथा नए पंचायत सरकार भवनों के सोलराइजेशन को निर्माण के एस्टीमेट में ही शामिल करने को कहा है**

**ओपन सर्च. संवाददाता**

**पटना।** मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को पंचायत सरकार भवनों के निर्माण कार्य में तेजी लाने और उनके बेहतर रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने जलमीनारों पर प्रस्तावित 5 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल की जगह 20 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगाने तथा नए पंचायत सरकार भवनों के सोलराइजेशन को निर्माण के एस्टीमेट में ही शामिल करने को कहा है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार ने विभाग की प्रस्तावित योजनाओं और उनके क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

प्रस्तुतीकरण के दौरान सचिव ने मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना के तहत जलमीनारों पर 5 किलोवाट क्षमता के ऑफग्रिड सोलर पैनल लगाने की प्रस्तावित योजना की जानकारी दी। उन्होंने प्रति योजना प्रतिवर्ष बिजली बिल पर होने वाले खर्च, योजना के क्रियान्वयन और इसमें पंचायती राज विभाग की भूमिका के बारे में बताया। इसके अलावा योजना में ब्रेडा, पटना की भूमिका, वित्तीय प्रबंधन, सोलर पैनलों के रखरखाव एवं अनुश्रवण, कार्यान्वयन और समन्वय समिति तथा बिजली खर्च से होने वाली बचत के उपयोग से जुड़े पहलुओं की भी जानकारी दी।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को पंचायत सरकार भवनों का निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इन भवनों के बेहतर रखरखाव और नियमित देखरेख की व्यवस्था होनी चाहिए। पंचायत सरकार भवनों का निर्माण करने वाले संवेदकों को ही उनके रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाए।

# मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ग्रामीण चौकीदारों को दिया दिवाली का तोहफा, मासिक मानदेय बढ़ाकर किया 15,221 रुपये

## सीएम नायब सैनी ने पंचकूला में राज्यस्तरीय ग्रामीण चौकीदार सम्मान समारोह में की अनेक बड़ी घोषणाएं

**कदम सिंह/ओपन सर्च ब्यूरो**





**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने धनतेरस और दीपावली के अवसर पर प्रदेश के ग्रामीण चौकीदारों को तोहफा देते हुए उनके मासिक मानदेय को 11 हजार से बढ़ाकर 15 हजार 221 रुपये करने की घोषणा की। इससे प्रत्येक चौकीदार को हर महीने 4 हजार 221 रुपये अधिक मिलेंगे जिससे प्रतिवर्ष उसे 50 हजार रुपये से भी अधिक का फायदा होगा।

वर्ष 2014 में ग्रामीण चौकीदारों का मानदेय केवल 3,500 रुपये मासिक था जो आज बढ़कर 4 गुणा से भी अधिक हो गया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी पंचकूला में राज्यस्तरीय ग्रामीण चौकीदार सम्मान समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण मिड्ढा, हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यौरा के अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, विकास एवं पंचायत विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र कुमार, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यशपाल और विकास एवं पंचायत विभाग के निदेशक सुशील सारवान भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को धनतेरस और दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ग्रामीण चौकीदारों के लिए कई और बडी घोषणाएं की जिसमें वार्षिक वर्दी भत्ता 4 हजार रुपये से बढ़ाकर 5 हजार रुपये, लाठी, बैटरी, सीटी और छाते का वार्षिक भत्ता 1,000 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये, साइकिल भत्ता 3 हजार 500 रुपये से बढ़ाकर 5 हजार रुपये शामिल हैं।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ग्रामीण चौकीदारों के हित में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए घोषणा की कि हरियाणा के इतिहास में पहली बार अब जल-कर्मियों और सफाई-कर्मियों की तर्ज पर ग्रामीण चौकीदारों को ईएसआई यानी कर्मचारी राज्य बीमा का लाभ मिलेगा।

### ग्रामीण चौकीदार गांवों की सुरक्षा और विश्वास के सच्चे प्रहरी : मुख्यमंत्री नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने कहा कि चौकीदार सदा से ही गांव के जीवन का भरोसेमंद हिस्सा रहा है। गांव में अप्रिय घटना हो जाए, कोई झगड़ा हो, रात को कोई अनजान व्यक्ति दिखाई दे, कोई पशु खो जाए या चोरी हो जाए, हर मौके पर सबसे पहले चौकीदार को ही याद किया जाता है। उन्होने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मार्च 2019 में कहा गया एक शब्द कि 'मैं भी चौकीदार' हूं ने देश की राजनीति और सामाजिक सोच को एक नई दिशा दी। प्रधानमंत्री ने चैकीदार शब्द को ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक बना दिया।

# राहुल गांधी हरियाणा में कर लें डिबेट, हमारे युवा मोर्चा अध्यक्ष से पूछ लें सवाल, मैं जगह उपलब्ध करवाऊंगा - मुख्यमंत्री

ओपन सर्च ब्यूरो

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से डिबेट की चुनौती दिए जाने पर जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी हरियाणा में आकर डिबेट कर सकते हैं। इसके लिए प्रदेश में जगह उपलब्ध करवा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारे युवा मोर्चा के अध्यक्ष वहां जाएंगे, और राहुल से सवाल करेंगे। ऐसा नहीं हो सकता कि एक तरफ से केवल झूठ बोला जाए और फिर भागकर चले जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कांग्रेस को चुनाव प्रक्रिया को लेकर कोई परेशानी है तो उसे मुख्य चुनाव आयुक्त के सामने अपनी बात रखनी चाहिए। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है और अदालतों के दरवाजे भी खुले हैं। कांग्रेस वहां जाकर अपनी बात क्यों नहीं रखती? केवल घर बैठकर और लोगों को दिखाने के लिए आरोप लगाने से कुछ नहीं होगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी शुक्रवार को विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत जारी होने वाली राशि के हस्तांतरण करने के बाद हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने सरकार की योजनाओं, किसानों की फसल खरीद और कांग्रेस के आरोपों सहित विभिन्न मुद्दों पर सवालों के जवाब दिए। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास आज जनता के बीच जाने के लिए कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए वह वोट चोरी के नाम पर देश को गुमराह करने और लोकतंत्र तथा चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का प्रयास कर रही है।

कांग्रेस को यदि कहीं किसी मतदाता का नाम कटने या गलत दर्ज होने की शिकायत है, तो चुनाव आयोग ने इसके लिए पूरी प्रक्रिया निर्धारित की है। मतदाता सूची सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराई गई है और एक महीने का समय भी दिया गया था कि कोई गलती होने पर निर्धारित फॉर्म भरकर आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। इसके बावजूद कांग्रेस जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है।



### डबल इंजन सरकार में किसानों को समय पर भुगतान की गारंटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार का यही लाभ है कि किसानों की फसल का भुगतान 48 से 72 घंटे के भीतर सीधे उनके बैंक खातों में पहुंच रहा है। यदि 72 घंटे से अधिक देरी होती है तो किसानों को ब्याज सहित भुगतान किया जाता है। यह केवल घोषणा नहीं, बल्कि किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता है। पंजाब में किसानों को अपनी फसल के भुगतान के लिए इंतजार करना पड़ता है, जबकि हरियाणा में किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने पंजाब की फसल खरीद व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि पंजाब के किसान उनसे लगातार मिलते हैं और अपनी परेशानी बताते हैं। किसानों का कहना है कि उनसे आप पार्टी के नेताओं ने मंच पर पूरी फसल खरीदने का वादा किया गया था, लेकिन अब भी उन्हें अपनी फसल बेचने में दिक्कत आ रही है।

देश की जनता सब देख रही है और अब वह इनके बहकावे में आने वाली नहीं है। वोट चोरी नहीं हुई, इनके जो कारनामे थे, ये उसी का परिणाम है। लोग तो अब ये कह रहे हैं कि कॉंग्रेस को तो पार्टी बंद कर देनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में बुजुर्गों को छह-छह महीने तक पेंशन नहीं मिलती थी।

बुजुर्गों को अपनी पेंशन के लिए परेशान होकर सरकारी दफ्तरों और नेताओं के दरवाजों के चक्कर काटने पड़ते थे। कई बार लोग उनके दरवाजों के बाहर धूप में खड़े रहते थे, लेकिन उनकी परेशानी पूछने वाला भी कोई नहीं होता था। कांग्रेस के नेता आज वोट चोरी की बात करते हैं, लेकिन उन्हें अपने शासनकाल में गरीबों, बुजुर्गों और जरूरतमंदों के साथ किए गए व्यवहार का जवाब देना चाहिए।

कांग्रेस के समय गरीब व्यक्ति को 200 रुपये का लाभ पहुंचाने की बात होती थी, लेकिन उसमें से 150 रुपये कहां चले जाते थे, इसका किसी को पता नहीं चलता था और गरीब के हाथ में केवल 50 रुपये आते थे। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब व्यक्ति को उसका पूरा हक सीधे उसके बैंक खाते में पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक देश पर शासन किया। देश की जनता ने उन्हें एक नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों तक अवसर दिया। लोगों ने सोचा कि शायद अगली पीढ़ी देश के लिए कुछ करेगी, लेकिन हालात नहीं बदले। दादा और पोते के समय में भी वही ढ़ाक के तीन पात वाली स्थिति रही। कांग्रेस के पास सत्ता में रहते हुए भी देश के विकास के लिए कोई ठोस विजन नहीं था और आज भी उसकी राजनीति केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित है। कभी काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन करते हैं, कभी धरने पर बैठते हैं और अब चौपालों की याद आ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने 55 वर्षों तक गरीबी हटाओ का नारा दिया, लेकिन गरीबों की गरीबी दूर नहीं कर पाई। वहीं प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में 50 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकालकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया गया है। गरीबों को पक्के मकान मिले, घरों में गैस सिलेंडर पहुंचे, रसोई तक स्वच्छ जल पहुंचा और बिजली की सुविधा उपलब्ध हुई।

## धनतेरस पर हरियाणा के लाखों लाभार्थियों को सौगात

## नायब सैनी ने एक क्लिक से लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित की 4,470 करोड़ 77 लाख रुपये की राशि



**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने धनतेरस के पावन अवसर पर प्रदेश के लाखों परिवारों को बड़ी सौगात देते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत लाखों लाभार्थियों और पंचायती राज संस्थाओं व नगरपालिकाओं के बैंक खातों में सीधे 4,470 करोड़ 77 लाख रुपये की राशि हस्तांतरित की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आज 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' योजना की 13वीं किस्त जारी की है। इस योजना के तहत 10 लाख 59 हजार लाभार्थी बहन-बेटियों के खातों में 222 करोड़ 52 लाख रुपये की राशि डाली गई है।

इसे मिलाकर अब तक 13 किस्तों में 2 हजार 689 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस योजना का दूसरा चरण गत 17 सितंबर से शुरू हो चुका है। सरकार ने इस योजना का दायरा बढ़ाते हुए वार्षिक आय सीमा को 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1 लाख 80 हजार रुपये कर दिया है। आज जारी की गई राशि में ऐसी 49 हजार 290 पात्र बहन-बेटियां शामिल हैं। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने विभिन्न 15 सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत 1 हजार 135 करोड़ 21 लाख रुपये की राशि सीधे 35 लाख 26 हजार 358 लाभार्थियों के बैंक खातों में डाली। इनमें वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, दिव्यांग भत्ता और अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करते हुए 'प्रो-एक्टिव मॉडल' को अपनाया है। इसके तहत परिवार पहचान पत्र डेटाबेस के आधार पर पात्रता स्वयं निर्धारित होती है और पात्र नागरिकों को बिना दफ्तरों के चक्कर काटे, बिना आवेदन किए घर बैठे ही भत्ते का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने 'हर घर-हर गृहिणी' योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफिल करवाने वाली 6 लाख 5 हजार बहनों के बैंक खातों में सितम्बर माह की 24 करोड़ 25 लाख रुपये की सब्सिडी भी जारी की। इस योजना में पात्र महिलाओं को हर महीने 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। आज जारी की गई राशि को मिलाकर, अब तक 14 लाख 66 हजार पात्र बहनों के बैंक खातों में कुल 404 करोड़ 46 लाख रुपये की राशि डाली जा चुकी है।

**गांवों के विकास के लिए पंचायतों को 1,158 करोड़ रुपये की किस्त जारी, नगरपालिकाओं को 1,727.80 करोड़ रुपये जारी**

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष राज्य सरकार ने गांवों के विकास कार्यों के लिए राज्य वित्त आयोग के तहत 2 हजार 316 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसी कड़ी में आज राज्य वित्त आयोग अनुदान की पहली व दूसरी किस्त के तहत 1,158 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। यह राशि 22 जिला परिषदों, 143 पंचायत समितियों और 6 हजार 230 ग्राम पंचायतों के बैंक खातों में डाली गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष सरकार ने शहरों के विकास के लिए राज्य वित्त आयोग योजना में 2 हजार 754 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है। आज प्रदेश की नगरपालिकाओं को 1,727 करोड़ 80 लाख रुपए की राशि जारी की है। आज की राशि मिलाकर अब तक इस वित्त वर्ष में पालिकाओं को 1927 करोड़ 80 लाख रुपए की राशि जारी की जा चुकी है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने दयालु योजना के तहत 5 हजार 429 परिवारों को 202 करोड़ 99 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। आज जारी की गई आर्थिक सहायता को मिलाकर, अब तक 97 हजार 655 परिवारों को 3 हजार 682 करोड़ 83 लाख रुपये की आर्थिक सहायता जारी की जा चुकी है।

**कर्मचारियों को भी मिला तोहफा, महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी, अब 63 प्रतिशत मिलेगा डीए-डीआर**

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने धनतेरस का तोहफा देते हुए प्रदेश के कर्मचारियों व पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में 3 प्रतिशत बढोतरी करने की घोषणा की। यह बढोतरी 1 जुलाई, 2026 से लागू होगी।

## घर-आंगन, तन-मन को शुद्ध करने के लिए काम हो : डॉ चौहान

**ओपन सर्च ब्यूरो, नीलोखेड़ी।** हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के सभा कक्ष में धनतेरस के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि धनतेरस केवल धन और वैभव की कामना का पर्व नहीं, बल्कि आरोग्य, स्वच्छता, सकारात्मकता और समृद्ध जीवन का संकल्प लेने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद और आरोग्य का देवता माना जाता है। प्रत्येक व्यक्ति को आज के दिन अपने स्वास्थ्य को लेकर नए सिरे से संकल्पित होना चाहिए।

स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक जीवन में स्वास्थ्य, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वच्छता और सकारात्मक चिंतन को प्राथमिकता दें। इस अवसर पर भगवान धन्वंतरि की आराधना की गई तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से धन्वंतरि मंत्र का पाठ किया। डॉ. चौहान ने कहा कि धनतेरस का वास्तविक संदेश अपने जीवन को हर प्रकार के दारिद्र्य, नकारात्मकता और क्षुद्रताओं से मुक्त करने का है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने भवन, तन और मन को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सकारात्मक बनाने के लिए संकल्पित होकर कार्य करना चाहिए।

## हरियाणा सरकार की हिदायत, आरटीआई की प्रथम अपीलों का हो तय समय में निपटारा

**ओपन सर्च ब्यूरो, चंडीगढ़।** हरियाणा सरकार ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत दायर प्रथम अपीलों का निर्धारित समय में निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, प्रथम अपीलीय प्राधिकारियों को अपीलों पर स्पष्ट एवं तर्कसंगत कारणों सहित आदेश पारित करने की भी हिदायत दी है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी एक पत्र के अनुसार, प्रत्येक प्रथम अपील का निपटारा सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 19(6) के तहत निर्धारित समय-सीमा के भीतर करना अनिवार्य होगा।

इसके अलावा, प्रथम अपील पर पारित हर आदेश में अपीलकर्ता द्वारा उठाए गए सभी प्रमुख बिंदुओं और आधारों पर विचार करते हुए स्पष्ट एवं तर्कसंगत कारण दर्ज किए जाएंगे। निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि मांगी गई सूचना कानून के तहत प्रकट की जा सकती है, तो संबंधित राज्य जन सूचना अधिकारी बिना किसी अनावश्यक देरी के सूचना उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि हरियाणा राज्य सूचना आयोग द्वारा प्रथम अपीलों के निपटारे में हो रही देरी तथा बिना पर्याप्त कारण बताए आदेश जारी किए जाने पर चिंता व्यक्त की गई गई है। आयोग ने इस संबंध में सभी संबंधित प्रशासनिक विभागों, विभागाध्यक्षों और प्राधिकरणों को आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया था। सरकार ने सभी विभागों के प्रथम अपीलीय प्राधिकारियों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा है, ताकि सूचना मांगने वाले आवेदकों को अनावश्यक रूप से द्वितीय अपील के लिए राज्य सूचना आयोग का रुख न करना पड़े।

## अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा के लिए 2 दिसंबर तक करें ऑनलाइन आवेदन

**ओपन सर्च ब्यूरो, चंडीगढ़।** सैनिक स्कूलों में प्रवेश के लिए हर वर्ष अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है। करनाल के कुंजपुरा स्थित सैनिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए छठी व नौवीं कक्षा में प्रवेश के लिए छात्र व छात्राओं से 2 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। पात्र विद्यार्थी स्कूल की वेबसाइट https://exams.nta.nic.in/sainik-school-society/ पर आवेदन कर सकते है तथा वेबसाइट पर अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा का ब्रॉशर भी उपलब्ध है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि कुंजपुरा सैनिक स्कूल में छठी कक्षा में छात्रों के लिए लगभग 120 सीटें रिक्त है, जिनमें से छात्रों के लिए 108 एवं छात्राओं के लिए 12 सीटें आरक्षित है। इसी तरह कक्षा नौ में प्रवेश के लिए 30 सीटें रिक्त है, जिनमें से 26 सीटें छात्रों एवं 4 सीटें छात्राओं के लिए है। सैनिक स्कूल से संबंधित राज्य / केंद्र शासित प्रदेश के उम्मीदवारों के लिए 67 प्रतिशत सीटें आरक्षित होगी, जबकि अन्य राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों के उम्मीदवारों के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित होगी। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए ओएमआर आधारित प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा पेपर व पेंसिल पर आधारित होगी। इस परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे तथा ओएमआर शीट पर आधारित होगी।

## 15 नवंबर से जनता कर सकेगी शहीद स्मारक का दीदार, पहले एक महीने तक प्रतिदिन 500 लोगों को मिलेगा निशुल्क प्रवेश : विज



ओपन सर्च ब्यूरो

**चंडीगढ़।** हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि आजादी की पहली लडाई का शहीद स्मारक का उदघाटन देश के अमित शाह द्वारा 5 नंवबर, 2026 को कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी 15 नवंबर, 2026 से इस स्मारक को आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा और एक महीना तक यह स्मारक प्रतिदिन 500 लोगों को निशुल्क दिखाया जाएगा।

विज मीडिया बाईट में यह जानकारी दे रहे थे। विज ने बताया कि इस स्मारक में आने के लिए आम जनता को प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक इसकी टिकटें बुक करानी होगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के आदेश से एक महीना ये निशुल्क/ मुफत दिखाया जाएगा और एक महीना तक प्रतिदिन केवल 500 लोगों को ही दिखाया जाएगा। उन्होंने बताया कि निशुल्क/मुफत देखने वालों को भी अपनी टिकट बुक करनी होगी। उसके लिए ambal-awarmemorial.com पर जाकर ऑनलाईन अपनी टिकट को बुक कर सकते हैं। इसके अलावा, मेमोरियल में भी टिकट देने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि आजादी की पहली लडाई कांग्रेस के जन्म से 28 वर्ष पहले अंबाला छावनी में 10 मई, 1857 से शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि मेरठ से 9 घंटे यह लडाई शुरू थी और यह लडाई सशस्त्र हुई थी तथा ये लडाई सारे देश में लडी गई थी। लेकिन जिन शहीदों को पेडों से बांध-बांधकर गोलियां मार दी गई और जिन पर कोल्हू चलवाए गए गांव के गांव अंग्रेजों द्वारा जला दिए गए थे।

## नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित दवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्ध : आरती सिंह राव

### अनियमितताएं पाए जाने पर 966 ड्रग सेल लाइसेंस, 12 मैन्युफैक्चरिंग/ब्लड सेंटर लाइसेंस निलंबित

ओपन सर्च ब्यूरो

**चंडीगढ़।** हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि प्रदेश में नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित दवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्रवाई कर रही है।

उन्होंने बताया कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) विभाग को नकली दवा बेचने तथा बनाने वालों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) विभाग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों पर की गई कार्रवाई के दौरान 1 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 की अवधि के दौरान ड्रग विंग द्वारा गहन निरीक्षण अभियान चलाया गया, जिसके तहत कुल 13,590





बिक्री इकाइयों तथा 423 निर्माण इकाइयों की जांच की गई। नियमों में ढिलाई और अनियमितताएं पाए जाने पर सख्त कदम उठाते हुए 966 ड्रग सेल लाइसेंस, 12 मैन्युफैक्चरिंग/ ब्लड सेंटर लाइसेंस निलंबित किए गए, जबकि 15 लाइसेंसों को पूरी तरह रद्द और 5 को आंशिक रूप से रद्द किया गया।

उन्होंने बताया कि गुणवत्ता नियंत्रण को मजबूत करने के लिए इस अवधि में 2,389 सैंपल एकत्र किए गए, जिनमें से 2,189 सैंपल की जांच पूरी हो चुकी है और इनमें 11 सब-स्टैंडर्ड पाए गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि विभाग द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसते हुए 64 मामलों में अभियोजन दर्ज कराया गया, जबकि अदालत में विचाराधीन 15 मामलों का निपटारा हुआ, जिनमें 8 में सजा और 7 में बरी का फैसला आया। फिलहाल 462 मामले अदालत में लंबित हैं। इसके अतिरिक्त, पुलिस और एफडीए अधिकारियों की संयुक्त कार्रवाई के तहत 376 संयुक्त छापेमारी ) की गई, जिसमें एनडीपीएस अधिनियम के तहत 2 और एमटीपी अधिनियम के तहत 4 प्राथमिकी दर्ज की गईं। प्रवक्ता ने यह भी बताया कि एफडीए की टीम ने अप्रैल 2026 में लगभग 70 लाख रुपये मूल्य के नकली वजन घटाने और मधुमेह नियंत्रण के टीकों (नकली 'मौनजारो' इंजेक्शन) को जब्त किया गया।

वहीं जुलाई 2026 में एफडीए गुरुग्राम की टीम ने बीपी की नकली दवा 'टेल्मा-एएम' बनाने और बेचने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया। इसी कड़ी में 28 जुलाई 2026 को एफडीए फरीदाबाद की टीम ने एक शिकायत पर कार्रवाई करते हुए नकली प्रोपलीन ग्लाइकोल की बड़ी खेप जब्त की।

## करनाल में ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल को लेकर जिला मजिस्ट्रेट ने जारी किए आदेश

**गीता देवी/ओपन सर्च ब्यूरो, करनाल।** जिला मजिस्ट्रेट डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने सर्दियों के मौसम में बढ़ते वायु प्रदूषण तथा आमजन के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिला करनाल में पटाखों की बिक्री एवं उपयोग को लेकर विस्तृत आदेश जारी किए हैं। ये आदेश माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण संबंधी प्रावधानों की अनुपालना में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी किए गए हैं। आदेशानुसार, 7 एवं 8 नवंबर 2026 को ग्रीन पटाखे फोड़ने की अनुमति केवल सुबह 6 बजे से 7 बजे तक तथा रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक होगी। इसके अतिरिक्त किसी भी समय पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं होगी। 9 नवंबर 2026 से जिले में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध पुनः लागू हो जाएगा।

आदेश के अनुसार बेरियम युक्त पटाखों तथा नीरी द्वारा ग्रीन पटाखों के रूप में अनुमोदित नहीं किए गए पटाखों की बिक्री एवं इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा जुड़ी हुई लड़ियों (लड़ी/लड़ीदार पटाखे) एवं पटाखों की मालाओं के निर्माण, बिक्री और इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध रहेगा। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से पटाखों की खरीद-बिक्री की अनुमति नहीं होगी। अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों, शैक्षणिक संस्थानों तथा अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे फोड़ना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इन क्षेत्रों को नो-क्रैकर जोन के रूप में चिह्नित किया जाएगा। आदेशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के लिए करनाल, घरौंडा, इंद्री, असंध एवं नीलोखेड़ी उपमंडलों में संयुक्त निरीक्षण एवं गश्ती टीमों का गठन किया गया है।

## हरियाणा में प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लिए समन्वित कार्य योजना जल्द : अनुराग रस्तोगी

### मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी कहा- कम से कम पांच फसलों की करें पहचान

ओपन सर्च ब्यूरो

**चंडीगढ़।** हरियाणा सरकार प्रदेश में जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने को लेकर खासी संजीदा है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने अधिकारियों को प्राकृतिक खेती के लिए उपयुक्त कम से कम पांच फसलों की पहचान कर उनके उत्पादन, प्रोत्साहन एवं विपणन के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस पहल के तहत हल्दी, लाल मिर्च और अदरक जैसी फसलों की संभावनाओं पर भी विचार किया जा सकता है। रस्तोगी प्रदेश में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा इसके तहत उत्पादित कृषि उपज के प्रमाणन, खरीद और विपणन के लिए समन्वित व्यवस्था विकसित



करने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कार्ययोजना में उपयुक्त कृषि क्षेत्रों, उत्पादन लक्ष्य, किसानों की भागीदारी, प्रमाणन संबंधी आवश्यकताओं तथा विपणन व्यवस्था को स्पष्ट रूप से शामिल किया जाए। बैठक में प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले किसानों को विश्वसनीय खरीद व्यवस्था और संगठित विपणन प्रणाली से जोड़ने के साथ-साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, उनकी पहचान एवं पता लगाने की व्यवस्था विकसित करने और किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव रस्तोगी ने कृषि और बागवानी विभागों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले किसानों तथा किसान समूहों का जिला और फसलवार प्रमाणित डाटा तैयार करने के निर्देश भी दिए। इस डाटा में खेती का क्षेत्रफल, प्रमाणन की स्थिति, अनुमानित उत्पादन और बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध संभावित उपज का विवरण शामिल होगा। इससे उपयुक्त फसलों और उत्पादन क्लस्टरों की पहचान करने में मदद मिलेगी।

## सीएम बागवानी बीमा योजना में शामिल हुआ मधुमक्खी पालन, प्रति कॉलोनी व बॉक्स मिलेगा 1,250 रुपये का बीमा कवर

ओपन सर्च ब्यूरो

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने और उन्हें प्राकृतिक आपदाओं एवं विभिन्न जोखिमों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। डबल इंजन सरकार बीज से लेकर बाजार तक हर कदम पर किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है।

इसी दिशा में मधुमक्खी पालकों को बड़ी राहत देते हुए मधुमक्खी पालन को मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि अब मधुमक्खी पालकों को प्रति कॉलोनी और प्रति बॉक्स मात्र 50 रुपये प्रीमियम देना



होगा, जिसके एवज में उन्हें प्रति कॉलोनी व बॉक्स 1,250 रुपये का बीमा कवर मिलेगा। इस योजना के तहत मधुमक्खी पालक अधिकतम 6 लाख 25 हजार रुपये तक का बीमा क्लेम प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करने और शहद उत्पादकों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से 16 अगस्त, 2025 को कुरुक्षेत्र में शहद को भावांतर भरपाई योजना में शामिल करने की घोषणा की गई थी, जिसे 27 सितंबर, 2025 को लागू कर दिया गया।

इस योजना के तहत शहद का संरक्षित मूल्य 120 रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि अपने बजट अभिभाषण 2026-27 में 7 मार्च, 2026 को मधुमक्खी पालन को मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना में शामिल करने की घोषणा की थी। अब इस घोषणा को अमलीजामा पहनाते हुए मधुमक्खी पालन को योजना के दायरे में लाया गया है। इससे मधुमक्खी पालकों को प्राकृतिक आपदाओं एवं अन्य जोखिमों से होने वाले संभावित नुकसान के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा मिलेगी।

**43 लाख मीट्रिक टन की खरीद, किसानों को 9,880 करोड़ रुपये का भुगतान**

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रदेश में धान खरीद की जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन के दौरान गत 29 सितंबर से 278 मंडियों में धान की खरीद की जा रही है, जो 15 नवंबर तक जारी रहेगी।

किसानों से कॉमन धान की खरीद 2,441 रुपये प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान की खरीद 2,461 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। उन्होंने बताया कि 5 नवंबर तक प्रदेश की मंडियों में 48 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है, जिसमें से 43 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है।

# एनसीआर में वायु प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान CJI बोले, 'उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली के मौसम का आनंद ले रहे होंगे'

नई दिल्ली (एजेंसी)



**सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हमें उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली के मौसम का आनंद ले रहे होंगे। बारिश होने के कारण प्रदूषण का स्तर कुछ कम हुआ है। इस पर अपराजिता सिंह ने कहा कि 5 नवंबर को दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान 14 फीसदी था। दिल्ली में पहले से ही प्रदूषण बहुत ज्यादा है। ऐसे में पराली जलाने से प्रदूषण और बढ़ जाता है**

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते हुए प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को सुनवाई की। एमकिस क्यूरी (न्याय मित्र) अपराजिता सिंह ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर अभी भी गंभीर श्रेणी के आसपास है। प्रदूषण के कारण हमारी आवाज भी बैठ रही है। ऐसा लग रहा है जैसे हम रोजाना 30 सिगरेट पी रहे हों। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हमें उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली के मौसम का आनंद ले रहे होंगे।

बारिश होने के कारण प्रदूषण का स्तर कुछ कम हुआ है। इस पर अपराजिता सिंह ने कहा कि 5 नवंबर को दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान 14 फीसदी था। दिल्ली में पहले से ही प्रदूषण बहुत ज्यादा है। ऐसे में पराली जलाने से प्रदूषण और बढ़ जाता है। सबसे बड़ी समस्या वाहनों से होने वाला प्रदूषण है। हमें स्थानीय स्तर पर होने वाले प्रदूषण और पराली जलाने की समस्या पर गंभीरता से काम करना होगा। एनसीआर में वाहनों से निकलने वाला धुआं, कचरा जलाना और ऐसी कई अन्य समस्याएं प्रदूषण बढ़ा रही हैं। सीजेआई ने कहा कि दिल्ली की सड़कों को देखिए। दिल्ली को एनसीआर क्षेत्र से जोड़ने वाली गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद की सड़कों और उन पर चलने वाले वाहनों को देखिए। यही मुख्य समस्या है। केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि त्योहारों के मौसम में प्रदूषण को लेकर एक उछाल आता है, जब सड़कें पूरी तरह जाम हो जाती हैं। सार्वजनिक परिवहन और रिंग रोड के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। हम तत्काल, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक उपायों पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि सब कुछ कम अवधि में हासिल नहीं किया जा सकता। एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कहा कि प्रमुख समस्या दिल्ली में भीड़ कम करना है। कोर्ट ने इस वर्ष की शुरुआत में सीमाओं पर वाणिज्यिक वाहनों को रोके जाने के संबंध में निर्देश पारित किए थे। एनएचएआई और एमसीडी को टोल प्लाजा से संबंधित निर्देशों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया था। आज भी इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया है।

चिंता यह सुनिश्चित करने की थी कि वाहन सीमाओं पर इंजन चालू रखकर खड़े न रहें। एएसजी ने कहा कि हरियाणा में पराली जलाने में कमी देखी गई है, क्योंकि राज्य ने किसानों को वित्तीय प्रोत्साहन देने वाले अतिरिक्त उपाय लागू किए हैं। पंजाब में भी भारी गिरावट हुई है। सीजेआई ने कहा कि एक बार जब किसान इसके आर्थिक पहलू को समझ जाएंगे, तो वह पराली जलाना बंद कर देंगे, लेकिन इसमें कुछ समय लगेगा। सरकार उपकरण उपलब्ध करा रही है।

फिर भी, कुछ किसान आश्वस्त नहीं हो सकते या इसे स्वीकार करने में झिझक महसूस कर सकते हैं, लेकिन इसमें समय लगेगा। शायद अगले साल आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे और उसके अगले साल और भी बेहतर। लेकिन इन साधन सम्पन्न वर्गों के बारे में क्या? एएसजी ने कहा कि इस सर्दी के मौसम के लिए निर्देश पहले से ही लागू हैं। बीएस-4 वाहनों को नवंबर से जनवरी के अंत तक प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है। हम इसकी निगरानी कर रहे हैं और संबंधित राज्यों द्वारा निर्देशों को लागू किया जा रहा है। सीजेआई ने पूछा कि सभी उपायों के बावजूद प्रदूषण फिर क्यों बढ़ रहा है? क्या यह केवल वाहनों की आवाजाही के कारण है, चाहे उपयोग किए जा रहे ईंधन की गुणवत्ता कोई भी हो? सीजेआई ने कहा कि दिल्ली सबके लिए खुली है। हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश या कहीं और पंजीकृत वाहन दिल्ली में प्रवेश कर सकते हैं। आप केवल एंट्री प्वाइंट पर यह निगरानी नहीं कर सकते कि वह किस प्रकार का ईंधन उपयोग करता है, कितना प्रदूषण उत्पन्न करता है या वाहन की कंडीशन क्या है।

ऐसा कोई तंत्र नहीं है। भले ही कोई वाहन दिल्ली में केवल दो घंटे के लिए प्रवेश करे और फिर निकल जाए, वे दो घंटे नुकसान पहुंचाने के लिए पर्याप्त हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समय के साथ पराली जलाने की समस्या कम होनी चाहिए।

# 'कुछ लोग चुनौतियों में बिखर जाते हैं, मोदी निखर जाते हैं', इरफान अंसारी के बयान पर नकवी का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)



इरफान अंसारी के बयान पर भारतीय जनता पार्टी के नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ लोग चुनौतियों के सामने बिखर जाते हैं, जबकि पीएम नरेंद्र मोदी संकटों के बीच भी देश के सरोकारों के लिए मजबूती से आगे बढ़ते रहे हैं। नकवी ने कांग्रेस के रिजीम चेंज वाले राग को 'सुबह दिखकर शाम तक गायब' हो जाने वाला बताया।

इरफान अंसारी के बयान पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, एक चीज मैं देखता हूं कि कुछ लोग चुनौतियों के सामने बिखर जाते हैं और कुछ लोग चुनौतियों के सामने निखर जाते हैं। नरेंद्र मोदी इसी तरह के संकटों और कंटकों के बीच लगातार मजबूती के साथ राष्ट्र के सरोकारों और देश के लोगों के सरोकारों के प्रति समर्पित भाव से आगे बढ़ते रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो तूफानों में बढ़ते जा रहे हैं, वही हर दिन निखरते जा रहे हैं। जो लोग यह समझते हैं कि अराजकता और अराजक तंत्र के अखाड़े में स्थिरता का नगाड़ा बजाकर कोई बहुत बड़ी सफलता हासिल कर पाएंगे, वे हर दिन अपने ही दांव और अपने ही पेंच में उलझते जा रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी या कांग्रेस एंड कंपनी, इनका जो रवैया है, वह हर दिन दिखाई पड़ता है। ये तथाकथित रिजेक्टेड फैमिली के लोग, जो फैमिली फोटो फ्रेम में फिक्स हैं, उनका रिजीम चेंज का राग हर दिन नए-नए रंग और नए रूप में दिखाई पड़ता है। एक दिन सुबह दिखाई पड़ता है और शाम तक गायब हो जाता है। मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि दूसरी तरफ, कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि इससे दूर रहें, क्योंकि इससे दिल और दिमाग में नफरत पैदा होती है।

# दिल्ली पुलिस ने नकली नोटों के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)



दिल्ली पुलिस ने नकली भारतीय मुद्रा की सप्लाई करने वाले एक नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए बिहार के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों के पास से 2.65 लाख रुपए की कीमत के नकली भारतीय नोट बरामद किए गए हैं। आरोपियों की पहचान बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी दिनेश कुमार झा (36) और सतीश कुमार (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने पहाड़गंज इलाके में स्थित 'नीलम गेस्ट हाउस' में छापेमारी कर इन्हें पकड़ा। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 5 नवंबर को की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो लोग इलाके में नकली भारतीय नोटों की सप्लाई और उन्हें चलाने का काम कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर एक पुलिस टीम बनाई गई। टीम ने गेस्ट हाउस में छापेमारी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से कुल 2,65,100 रुपए के नकली नोट बरामद हुए। इसके बाद, बरामद नोटों की जांच के लिए क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को बुलाया गया।

पहाड़गंज थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 179, 180 और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने बताया कि वे नकली नोट बेचने के लिए दिल्ली आए थे और खरीदारों की तलाश कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि दोनों ने 1 लाख रुपए की कीमत के नकली नोटों को 25,000 से 30,000 रुपए (असली मुद्रा) में बेचने की योजना बनाई थी। हालांकि, पकड़े जाने से पहले वे कोई सौदा पक्का नहीं कर पाए थे और न ही उन्हें कोई ग्राहक मिला था। आरोपियों ने कथित तौर पर यह भी बताया कि उन्हें यह नकली करेंसी 'एस' नाम के एक व्यक्ति ने उपलब्ध कराई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी दिनेश कुमार झा पहले भी नकली करेंसी के एक मामले में शामिल रहा है। यह मामला 2023 में दिल्ली के पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 489क, 489सी और 34 के तहत दर्ज यह मामला नकली करेंसी से ही जुड़ा था। पुलिस का कहना है कि नकली नोटों के स्रोत का पता लगाने, कथित सप्लायर की पहचान करने और इनकी सप्लाई और सर्कुलेशन से जुड़े बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है।

# टेंपल एक फिटनेस ट्रैकर डिवाइस, डॉक्टर के सवाल उठाने पर बोले दीपिंदर गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)



वियरएबल डिवाइस टेंपल पर डॉक्टरों द्वारा सवाल उठाने पर स्टार्टअप के संस्थापक और इटरनल के पूर्व सीईओ दीपिंदर गोयल ने शुक्रवार को कहा कि यह एक फिटनेस ट्रैकर और वेलनेस डिवाइस है और यूजर्स के लिए प्रोडक्ट उपलब्ध होने पर वैज्ञानिक सत्यापन और स्वतंत्र अध्ययन को साझा किया जाएगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट की एक सीरीज में, गोयल ने कहा कि जैसे ही यह डिवाइस ग्राहकों तक पहुंचेगी, वे खुद ही टेंपल के दावों को परख सकेंगे। उन्होंने बताया कि कंपनी ने 14 दिन की रिटर्न पॉलिसी रखी है, जिसमें बिना किसी सवाल-जवाब के डिवाइस को वापस ले लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि टेंपल ने इस वियरेबल डिवाइस को विकसित करने में लगभग 30 मिलियन डॉलर का निवेश किया है, जिसमें उनकी अपनी लगभग 20 मिलियन डॉलर की पूंजी भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट में किया गया निवेश और इसके पीछे की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता इस बात को गलत साबित करती है कि यह कोई धोखाधड़ी वाला डिवाइस है। 'टेंपल' पर ध्यान देने के लिए इटरनल के सीईओ का पद छोड़ने वाले गोयल ने कहा कि उनकी साख इस बात से जुड़ी है कि उत्पाद के पीछे का विज्ञान सटीक हो। उन्होंने स्वीकार किया कि 'टेंपल' ने अभी तक अपने सभी पैमानों का क्लिनिकल सत्यापन नहीं किया है, और कहा कि जब ऐसा सत्यापन उपलब्ध होगा, तो कंपनी इसकी जानकारी देगी। गोयल ने कहा, टेम्पल एक फिटनेस ट्रैकर और वेलनेस डिवाइस है। उन्होंने आगे कहा कि जब यह उत्पाद उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध हो जाएगा, तब और अधिक वैज्ञानिक सत्यापन और स्वतंत्र अध्ययन सामने आएंगे।

# बिरला ने आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी का इस्तीफा किया मंजूर, श्रीनगर सीट हुई खाली

नई दिल्ली (एजेंसी)



श्रीनगर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी के लोकसभा सदस्यता से इस्तीफे को सदन के अध्यक्ष ओम बिरला ने औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही, श्रीनगर-बडगाम लोकसभा सीट रिक्त हो गई है। लोकसभा सचिवालय ने गुरुवार को श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से सांसद के रूप में आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी के इस्तीफे की औपचारिक अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ने 3 नवंबर से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद श्रीनगर लोकसभा सीट आधिकारिक तौर पर रिक्त हो गई है। सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने जम्मू-कश्मीर की सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) से बगावत करते हुए मंगलवार को पार्टी और अपनी संसदीय सीट से इस्तीफा देने की घोषणा की। 2024 के आम चुनावों में लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद से ही आगा रूहुल्लाह मेहदी नेशनल कॉन्फ्रेंस से नाराज चल रहे थे।

उनका कहना है कि पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में मतदाताओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया। आगा रूहुल्लाह मेहदी ने पिछले साल बडगाम विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार आगा सैयद महमूद के चुनाव प्रचार में हिस्सा नहीं लिया था। यह सीट तब खाली हुई थी, जब नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने बडगाम और गांदरबल, दोनों सीटों से जीत हासिल की थी। उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल सीट अपने पास रखने का फैसला किया था, जिसके कारण बडगाम में उपचुनाव कराना पड़ा। इसके अलावा, मेहदी ने एनसी अध्यक्ष को लिखे एक पत्र में अनुच्छेद 370 पर पार्टी के रुख को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे। 3 नवंबर को इस्तीफा देने के बाद बडगाम में समर्थकों की एक बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए मेहदी ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत उमर अब्दुल्ला पर तंज कसते हुए की और कहा, 'आज आप जिस कुर्सी पर बैठे हैं, उसमें सत्ता तो है, लेकिन सम्मान नहीं है। अगर आपको सम्मान देखना है, तो बडगाम आइए।'

# दिल्ली के गफ्फार मार्केट की एक दुकान और ग्रेटर नोएडा के गैलेक्सी ब्लू सफायर मॉल में लगी आग

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली के गफ्फार मार्केट की 'चैन वाली गली' में गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि रात एक दुकान में आग लग गई। दमकल विभाग की टीमें मौके पर मौजूद हैं और आग बुझाने का काम जारी है। वहीं, एक दूसरी घटना में ग्रेटर नोएडा के गैलेक्सी ब्लू सफायर मॉल के सिनेमा हॉल में आग लगने से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, ब्लू सफायर मॉल के ऑडी-10 के प्रोजेक्टर रूम में शॉर्ट सर्किट से वायर गर्म होने के कारण धुआं उठा। सूचना पर फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

एहतियातन सिनेमा हॉल में मौजूद 10-15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फायर एक्सटिंग्विशर से आग पहले ही बुझाई जा चुकी थी। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है, मौके पर स्थिति सामान्य है। दूसरी ओर, दिल्ली के गफ्फार मार्केट में आग लगने की सूचना मिलते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंच गए। आग पर काबू पाने की कोशिशें चल रही हैं। नुकसान कितना हुआ है और क्या कोई हताहत हुआ है, इस बारे में अभी और जानकारी का इंतजार है। अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में, गुरुवार सुबह बाहरी उत्तरी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र (इंडस्ट्रियल एरिया) में एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। दमकल विभाग के अनुसार, सुबह करीब 9:05 बजे इस घटना की सूचना मिली। जानकारी मिलते ही आग बुझाने के लिए तुरंत 10 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया, हालांकि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

# सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी क्रीमी लेयर आरक्षण के मामले में केंद्र सरकार की संशोधन याचिका को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)



सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ओबीसी क्रीमी लेयर आरक्षण के मामले में केंद्र सरकार की संशोधन याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने दोहराया कि ओबीसी आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर तय करते समय माता-पिता की वेतन से होने वाली आय को शामिल नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि क्रीमी लेयर से बाहर रखने का निर्धारण माता-पिता की आय के बजाय उनकी सेवा संबंधी स्थिति और पद के आधार पर किया जाएगा।

11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने 'भारत सरकार बनाम रोहित नाथन' मामले में ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर के मानदंडों को लेकर बेहद महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया था। क्रीमी लेयर का निर्धारण 'स्टेटस-बेस्ड' या पद-आधारित है, न कि पूरी तरह 'इनकम-बेस्ड' (आय-आधारित)। माता-पिता का पद (जैसे ग्रुप ए, बी, सी या डी) क्या है, यह देखना जरूरी है। आमतौर पर माना जाता है कि 8 लाख से अधिक सालाना आय होने पर उम्मीदवार क्रीमी लेयर में आ जाता है। लेकिन मूल नियमों (1993 ऑफिस मेमोरेंडम) के अनुसार, वेतन और खेती की जमीन से होने वाली आय को इस 8 लाख की गणना से कड़ाई से बाहर रखा गया है। खारिज की गई केंद्र सरकार की याचिका में सबसे बड़ी मांग यह थी कि सुप्रीम कोर्ट इस फैसले को 'रेट्रोस्पेक्टिव' यानी पिछली तारीख के बजाय 'प्रोस्पेक्टिव' या भविष्य की तारीख से लागू करने का आदेश दे सरकार का तर्क था कि अगर 11 मार्च के फैसले को पिछली तारीखों से लागू किया गया, तो साल 2012 से अब तक हो चुकी नियुक्तियों, सेवा आवंटन (जैसे आईएएस, आईपीएस, आईएफएस कैडर आवंटन) और सीनियरिटी लिस्ट को दोबारा बदलना पड़ेगा।

इससे उन कर्मचारियों पर भी असर पड़ेगा जो इस केस में पक्षकार भी नहीं हैं और प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो जाएगी। केंद्र सरकार ने कोर्ट से मांग की थी कि पीएसयू, बैंकों और प्राइवेट सेक्टर के पदों की तुलना सरकारी रैंक से करने के लिए एक नई, समान नीति तैयार करने के लिए सरकार को 2 वर्ष का समय दिया जाए। हालांकि, कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता के वकील वरुण ठाकुर ने मीडिया से कहा, 'ओबीसी आरक्षण से जुड़ी विसंगतियों, खासकर 'क्रीमी लेयर' और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) से जुड़े मुद्दों को आज एक बार फिर स्पष्ट किया गया है।

11 मार्च को अदालत ने एक अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया था कि 'क्रीमी लेयर' का दर्जा तय करते समय वेतन और कृषि से होने वाली आय को नहीं गिना जाएगा। इसके बावजूद, भारत सरकार ने एक अर्जी दायर की। इसमें कहा गया कि फैसला तो सही है, लेकिन इसे भविष्य से लागू किया जाना चाहिए।

# 2.65 लाख रुपये की भारतीय नकली करेंसी के साथ दो आरोपियों को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)

सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने नकली करेंसी सप्लाई करने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पहाड़गंज थाना पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते 2.65 लाख की नकली करेंसी के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी दिनेश कुमार झा (36) और सतीश कुमार (20) के रूप में हुई। उन्हें पहाड़गंज के नीलम गेस्ट हाउस में छापेमारी के दौरान पकड़ा गया। इनके पास से 2,65,100 रुपये की नकली भारतीय करेंसी बरामद की गई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे नकली करेंसी बेचने के लिए दिल्ली आए थे और ग्राहकों की तलाश कर रहे थे। उनकी योजना 1 लाख रुपये की नकली करेंसी को 25,000 से 30,000 रुपये की असली करेंसी के बदले बेचने की थी। हालांकि, पकड़े जाने से पहले कोई ग्राहक तय नहीं हो पाया था। इनमें से एक आरोपी पहले भी नकली करेंसी से जुड़े एक मामले में शामिल रहा है, जो 2023 में पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया थाने में दर्ज किया गया था। उन्होंने आगे बताया कि उन्हें यह नकली करेंसी 'एस' नाम के एक व्यक्ति ने उपलब्ध कराई थी। पुलिस ने बताया कि कथित सप्लायर की पहचान करने, नकली मुद्रा के स्रोत का पता लगाने और इसकी आपूर्ति व प्रचलन में शामिल पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच चल रही है। इस मामले में दोनों आरोपियों की मेडिकल जांच कराई गई है और उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। इससे पहले अक्टूबर में दिल्ली से सटे गौतमबुद्धनगर के थाना नॉलेज पार्क की पुलिस ने जाली भारतीय करेंसी के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

# दिल्ली कोर्ट ने प्रवेश वर्मा की मानहानि याचिका पर सौरभ भारद्वाज को जारी नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)



दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मानहानि से जुड़े मामले में मंत्री और भाजपा नेता प्रवेश वर्मा की पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) नेता सौरभ भारद्वाज को नोटिस जारी किया है। अदालत ने इस मामले में जवाब दाखिल करने के लिए 28 नवंबर की तारीख निर्धारित की है। निचली अदालत ने प्रवेश वर्मा की ओर से आम आदमी पार्टी (आप) नेता सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 10 अक्टूबर को खारिज कर दिया था। इसके बाद भाजपा नेता ने राऊज एवेन्यू कोर्ट की सेशन कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की। दरअसल, आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आरोप लगाया था कि परवेश वर्मा ने 'एसएस मोटा सिंह स्कूल ट्रस्ट' में अपने पद का दुरुपयोग करके अपने सहयोगियों को नियुक्त किया है।

इस ट्रस्ट के पास लगभग 500 करोड़ की संपत्ति है। मंत्री परवेश वर्मा ने सौरभ भारद्वाज के इन आरोपों को पूरी तरह झूठा, बेबुनियाद और मानहानिकारक बताते हुए सौरभ भारद्वाज के खिलाफ मानहानि का मामला दाखिल किया है। भाजपा नेता ने अपने एक बयान में कहा कि सोशल मीडिया पर डाली गई इन पोस्ट से उनकी और उनके परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। शिकायत के साथ, उन्होंने वीडियो क्लिप और भारद्वाज के 'एक्स' हैंडल से किए गए पोस्ट भी पेश किए थे। प्रवेश वर्मा ने स्पष्ट किया कि न तो उनका और न ही उनके परिवार का स्कूल या ट्रस्ट से कोई संबंध है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के किसी सदस्य की नियुक्ति में उनकी कोई भूमिका नहीं थी और उस व्यक्ति से उनका कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, 10 अक्टूबर को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवेश वर्मा की शिकायत को खारिज कर दिया था और मामले पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। आदेश पारित करते हुए अदालत ने कहा कि सौरभ भारद्वाज की ओर से लगाए गए आरोप सवाल पूछने की तरह थे और वे मानहानि की श्रेणी में नहीं आते। इसके साथ ही, कोर्ट ने शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था।

# धनतेरस के पावन अवसर पर केंद्रीय मंत्री गडकरी और सीएम योगी सहित कई नेताओं ने दी बधाई व शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)



**नितिन गडकरी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा गया, 'धन-धान्य, आरोग्य, समृद्धि एवं खुशियों के पावन पर्व धनतेरस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान धन्वंतरि सभी को उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें**

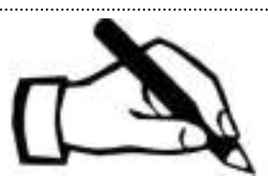
धनतेरस के पावन अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं की ओर से बधाई और शुभकामनाएं दी गई हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा गया, धन-धान्य, आरोग्य, समृद्धि एवं खुशियों के पावन पर्व धनतेरस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

भगवान धन्वंतरि सभी को उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।' केंद्रीय आवास व शहरी मामलों और विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, धनतेरस के पावन पर्व की आप सभी को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। यह खुशियों का त्योहार सभी के घर-आंगन में सुख, समृद्धि, संपन्नता और सौभाग्य लाए। भगवान धन्वंतरि सभी को धन-धान्य से परिपूर्ण करें, ईश्वर से ऐसी प्रार्थना करता हूं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, धनतेरस पर्व की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मां लक्ष्मी की कृपा से सबके अंतर्मन में संतोष का दीप जले और जीवन प्रेम, प्रसन्नता व आनंद के प्रकाश से आलोकित हो।

सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, आरोग्यता एवं सौभाग्य का वास हो। सीएम योगी की ओर से एक और पोस्ट में लिखा गया, आयुर्वेद के जनक, भगवान धन्वंतरि की जयंती पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। भगवान धन्वंतरि का ज्ञान 'स्वस्थ जीवन ही समृद्ध जीवन' की राह दिखाता है। इस पावन अवसर पर उनसे सभी के लिए आरोग्यता, दीर्घायु एवं यश की कामना है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पर लिखा, समस्त प्रदेशवासियों को धनतेरस के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। भगवान धन्वंतरि के आशीर्वाद से आप सभी के जीवन में उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और खुशहाली का वास हो। प्रत्येक घर-आंगन धन-धान्य से परिपूर्ण रहे तथा आरोग्य, सुख और मंगल का दीप सदैव प्रज्वलित रहे।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पोस्ट में लिखा, समस्त प्रदेशवासियों को सुख, समृद्धि एवं आरोग्य के पावन पर्व धनतेरस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! भगवान धन्वंतरि और मां महालक्ष्मी की कृपा से आप सभी का जीवन उत्तम स्वास्थ्य, शांति और संपन्नता से परिपूर्ण रहे।

## सम्पादकीय



# आस्था, संस्कृति और गौरव का अद्भुत संगम

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में दीपावली का विशेष महत्व है। यह पर्व केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का अवसर नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव इस सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा को एक नई पहचान प्रदान कर रहा है। सरयू नदी के पावन तट पर लाखों दीपों का एक साथ प्रज्वलित होना न केवल अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और सामूहिक एकता का संदेश भी पूरी दुनिया तक पहुंचाता है।

अयोध्या का दीपोत्सव भगवान श्रीराम के वनवास के बाद उनके अयोध्या लौटने की स्मृति से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के अयोध्या आगमन पर नगरवासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। इसी परंपरा को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करते हुए अयोध्या में दीपोत्सव का आयोजन किया जाता है। यह आयोजन अब केवल धार्मिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देश की सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन के एक महत्वपूर्ण आकर्षण के रूप में विकसित हो चुका है। दीपोत्सव के दौरान अयोध्या के घाटों, मंदिरों, सड़कों और प्रमुख स्थलों पर जगमगाते दीप भारतीय सभ्यता की समृद्ध विरासत का परिचय देते हैं। सरयू आरती, रामलीला, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, भव्य सजावट और भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित झांकियां इस आयोजन को विशेष बनाती हैं। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक इस दिव्य आयोजन के साक्षी बनते हैं। इससे अयोध्या की अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत होने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलता है।

दीपोत्सव का एक महत्वपूर्ण पक्ष स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आर्थिक अवसरों का सृजन भी है। दीप निर्माण करने वाले कुम्हारों, हस्तशिल्पियों, छोटे व्यापारियों, होटल संचालकों, परिवहन सेवाओं और स्थानीय कारोबारियों को इससे लाभ मिलता है। यदि इस आयोजन से जुड़े अवसरों को स्थानीय युवाओं, कारीगरों और छोटे उद्यमियों तक पहुंचाया जाए तो यह क्षेत्रीय विकास का मजबूत माध्यम बन सकता है। मिट्टी के दीपों का अधिक से अधिक उपयोग स्थानीय कुम्हारों को प्रोत्साहित करने और पारंपरिक कला को जीवित रखने में भी सहायक होगा।

अयोध्या का दीपोत्सव हमें भगवान श्रीराम के आदर्शों की भी याद दिलाता है। श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, न्याय, कर्तव्य, करुणा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उनके नाम पर आयोजित होने वाला उत्सव तभी सार्थक होगा, जब समाज उनके आदर्शों को अपने व्यवहार में भी अपनाए। केवल दीप जलाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज से भेदभाव, अन्याय, भ्रष्टाचार और वैमनस्य के अंधकार को दूर करना भी आवश्यक है। यही दीपोत्सव का वास्तविक संदेश होना चाहिए।

इस भव्य आयोजन के साथ व्यवस्थागत जिम्मेदारियां भी जुड़ी हुई हैं। लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा सुविधाएं और आपातकालीन सेवाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होती है। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ और सुरक्षित आयोजन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। धार्मिक उत्साह के साथ नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी आवश्यक है।

## दीयों से मनाएँ दीपावली, मिट्टी के दीये जलाएँ

**डॉ. प्रियंका सौरभ**

आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को धीरे-धीरे भूलते जा रहे हैं। दीपावली जैसे पावन पर्व पर मिट्टी के दीये जलाने की परंपरा भी अब सिमटती जा रही है। उनकी जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइटों, झालरों और अन्य कृत्रिम रोशनी ने ले ली है। यह बदलाव केवल हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को प्रभावित नहीं कर रहा, बल्कि सामाजिक और आर्थिक स्तर पर भी इसके दूरगामी परिणाम दिखाई दे रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण और अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने के लिए आवश्यक है कि हम दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने तथा पटाखों से परहेज करने का संकल्प लें। दीपावली का पर्व मिट्टी के दीयों से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह हमारी संस्कृति और आस्था में रचा-बसा त्योहार है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटने की खुशी में अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। तभी से कार्तिक मास की अमावस्या को दीपोत्सव मनाने की परंपरा प्रचलित हुई। मिट्टी के दीये जलाना केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और प्रकृति से जुड़ाव का भी प्रतीक है।

पिछले दो दशकों में कृत्रिम रोशनी का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। आधुनिकता की चकाचौंध में हम अपनी पारंपरिक जीवनशैली से दूर होते जा रहे हैं। दीपावली पर बिजली की रंग-बिरंगी लाइटों और झालरों का प्रयोग बढ़ा है, वहीं तेज आवाज वाले पटाखों ने वायु और ध्वनि प्रदूषण की समस्या को गंभीर बना दिया है। इसका सबसे अधिक प्रभाव पर्यावरण, पशु-पक्षियों, बुजुर्गों, बच्चों और सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर पड़ता है। इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक पक्ष भी है। मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हारों का परंपरागत व्यवसाय धीरे-धीरे प्रभावित हो रहा है। एक समय था जब दीपावली आने से कई सप्ताह पहले लोग कुम्हारों को दीयों के ऑर्डर दे दिया करते थे। उनके परिवार के सभी सदस्य दिन-रात मेहनत करके दीये तैयार करते थे। भले ही उनकी आमदनी बहुत अधिक नहीं होती थी, लेकिन अपनी कला और परंपरा को जीवित रखने का उत्साह उनमें अवश्य रहता था। आज स्थिति बदल गई है। मिट्टी के दीयों की मांग घटने से कुम्हारों का उत्साह भी कम हुआ है। अनेक परिवार अपने पुश्तैनी व्यवसाय से दूर होकर दूसरे रोजगार अपनाने को मजबूर हैं। दीपावली पर अब कई घरों में केवल प्रतीकात्मक रूप से दो-चार मिट्टी के दीये जलाए जाते हैं, जबकि अधिकांश सजावट इलेक्ट्रॉनिक लाइटों और झालरों से की जाती है। हमें यह समझना होगा कि हमारी छोटी-सी पहल किसी कारीगर के परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। मिट्टी के दीये खरीदकर हम न केवल अपनी संस्कृति को बचाते हैं, बल्कि स्थानीय कारीगरों की आजीविका को भी सहारा देते हैं। मिट्टी के दीये जलाने की परंपरा का अपना अलग सौंदर्य और महत्व है।

## प्रेरणादायक विचार

समय की पाबंदी है सोचकर मनुष्य अपनी दिनचर्या की शुरुआत करता है तब मनुष्य अपने दिन भर के सभी जरूरी कामों को पूरा कर लेता है, लेकिन जब मनुष्य अपने आप को समय के तराजू में तोल कर भी अपने कामों को अधूरा छोड़ रहा है तो इसका मतलब साफ़ है, व्यक्ति अपने कामों में दिलचस्पी कम रख रहा है।



करिश्मा गुज्जर (खारी)

# कथावाचकों का बाज़ार और आस्था का कारोबार

**डॉ. सत्यवान सौरभ**

भारत की पहचान सदियों से आध्यात्मिकता, धार्मिक सहिष्णुता और नैतिक मूल्यों की भूमि के रूप में रही है। यहाँ धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ, कर्मकांड और मंदिरों में दर्शन करना नहीं, बल्कि सत्य, करुणा, सेवा, त्याग और मानवता को जीवन में उतारना रहा है। संतों, ऋषियों और मनीषियों ने धर्म को मनुष्य के भीतर की चेतना को जागृत करने का माध्यम बनाया। रामायण, महाभारत, श्रीमद्भगवद्गीता और पुराणों की कथाएँ पीढ़ियों को जीवन जीने की कला सिखाती रही हैं। लेकिन आज धार्मिक आयोजनों और कथाओं के बढ़ते वैभव के बीच एक गंभीर प्रश्न खड़ा हो रहा है कि क्या धर्म वास्तव में जनकल्याण का माध्यम बना हुआ है या धीरे-धीरे एक बड़े व्यावसायिक आयोजन में परिवर्तित होता जा रहा है? आज देश के विभिन्न हिस्सों में कथा-वाचन का एक विशाल संसार खड़ा हो गया है। बड़े-बड़े पंडाल, भव्य मंच, आकर्षक सजावट, महंगे ध्वनि उपकरण, विशेष अतिथि, प्रचार वाहन और सामाजिक माध्यमों पर व्यापक प्रचार धार्मिक आयोजनों की पहचान बनते जा रहे हैं। कथावाचकों की लोकप्रियता अब केवल उनके ज्ञान और विचारों से नहीं, बल्कि उनके अनुयायियों की संख्या, आयोजनों की भव्यता और उनकी प्रसिद्धि से भी आँकी जाने लगी है। कुछ कथावाचकों के कार्यक्रमों में उमड़ने वाली भीड़ किसी बड़े मनोरंजन आयोजन का दृश्य प्रस्तुत करती है। धार्मिक प्रवचन के साथ-साथ प्रसिद्धि, प्रचार और आर्थिक सामर्थ्य का प्रदर्शन भी दिखाई देने लगा है।

कथा-वाचन अपने आप में सम्मानजनक और महत्वपूर्ण परंपरा है। कथावाचक समाज को धार्मिक ग्रंथों का मर्म समझाते हैं, नैतिक शिक्षा देते हैं और लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हैं। अनेक संत और विद्वान बिना किसी दिखावे के वर्षों से समाज में आध्यात्मिक चेतना फैलाने का कार्य कर रहे हैं। समस्या कथावाचन की परंपरा में नहीं, बल्कि उसके व्यावसायीकरण में है। जब कथा की गुणवत्ता से अधिक कथावाचक की कीमत महत्वपूर्ण हो जाए, जब आयोजन की सफलता का पैमाना श्रद्धालुओं की संख्या और चढ़ावे की राशि बन जाए तथा जब धर्म के नाम पर आर्थिक सामर्थ्य का प्रदर्शन होने लगे, तब आत्ममंथन आवश्यक हो जाता है। आज कई धार्मिक आयोजनों में कथावाचकों के आगमन,



मंच व्यवस्था, ठहरने, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं पर भारी धनराशि खर्च की जाती है। आयोजकों और श्रद्धालुओं के बीच प्रतिष्ठा की प्रतिस्पर्धा भी दिखाई देती है।

कौन कितना बड़ा आयोजन करवा सकता है, किसके कार्यक्रम में कितनी भीड़ आई और किस कथावाचक के मंच पर कौन-सी प्रतिष्ठित हस्ती पहुँची, ये चर्चाएँ कथा के मूल संदेश पर भारी पड़ने लगती हैं। कहीं-कहीं कथा-वाचन के नाम पर आर्थिक लेन-देन और महँगी व्यवस्थाओं की चर्चा भी सार्वजनिक होती है। हालाँकि सभी कथावाचकों या आयोजनों को एक ही दृष्टि से देखना उचित नहीं है, लेकिन इस बदलती प्रवृत्ति पर प्रश्न उठाना समाज की जिम्मेदारी है।

सबसे चिंताजनक स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब धार्मिक भावनाओं को आर्थिक लाभ का साधन बनाया जाता है। श्रद्धालु अपनी आस्था के कारण दान देते हैं। कोई अपनी कमाई का हिस्सा समर्पित करता है तो कोई अपनी जीवनभर की बचत से धार्मिक आयोजन में सहयोग करता है। यह उनकी व्यक्तिगत श्रद्धा है और उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन दान की पारदर्शिता, उसके उपयोग और धार्मिक संस्थाओं की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि धर्म के नाम पर एकत्रित धन का उपयोग जनसेवा के बजाय व्यक्तिगत वैभव और प्रचार में होने लगे तो श्रद्धा का विश्वास कमजोर होता है। विडंबना देखिए कि मंदिरों में सोने-चाँदी के आभूषणों और बहुमूल्य वस्तुओं का चढ़ावा बढ़ रहा है, वहीं समाज में आज भी अनेक बच्चे भूखे पेट सोने को विवश हैं। कितने ही परिवार आर्थिक अभाव में बच्चों की शिक्षा, उपचार और भोजन की व्यवस्था नहीं कर पाते। अस्पतालों में गरीब मरीज सहायता की प्रतीक्षा करते हैं और विद्यालयों में संसाधनों की कमी बनी रहती है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या धार्मिक आस्था का सबसे बड़ा उद्देश्य केवल भव्य चढ़ावा और विशाल आयोजन होना चाहिए? क्या मंदिरों की समृद्धि के साथ आसपास के निर्धन लोगों का जीवन भी समृद्ध नहीं होना चाहिए?

धर्म का वास्तविक सौंदर्य तभी प्रकट होता है, जब वह पीड़ित के आँसू पोंछे, भूखे को भोजन दे, अशिक्षित को शिक्षा दिलाए और निराश व्यक्ति को आशा प्रदान करे। भगवान राम के आदर्शों में मर्यादा और लोककल्याण है, श्रीकृष्ण के संदेश में कर्म और कर्तव्य का महत्व है तथा बुद्ध की शिक्षाओं में करुणा और अहिंसा का भाव है। इन महान परंपराओं को केवल मंच से सुनाना पर्याप्त नहीं है। उन्हें व्यवहार में उतारना ही सच्ची धार्मिकता है।

कथावाचकों की लोकप्रियता में सामाजिक माध्यमों की भी बड़ी भूमिका है। कुछ मिनटों के प्रवचन, आकर्षक वेशभूषा, भावुक प्रस्तुतियाँ और प्रभावशाली संवाद तेजी से प्रसारित होते हैं। इससे धार्मिक विचारों का विस्तार हुआ है, लेकिन इसके साथ दिखावे और लोकप्रियता की प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है। कई बार गंभीर धार्मिक विषयों को मनोरंजन की शैली में प्रस्तुत किया जाता है। भावनात्मक वक्तव्यों और चमत्कार संबंधी दावों के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रभावित करने की प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। ऐसे में श्रोताओं को विवेकपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। किसी व्यक्ति की लोकप्रियता उसके ज्ञान, चरित्र और नैतिकता का स्वतः प्रमाण नहीं होती।

समाज को यह भी समझना होगा कि हर कथावाचक व्यापारी नहीं है और हर बड़ा आयोजन अनुचित नहीं है। धार्मिक आयोजनों के संचालन में व्यवस्थाओं पर खर्च स्वाभाविक है। अनेक कथावाचक निःस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं और अपने प्रवचनों से लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। इसलिए आलोचना व्यक्तियों की नहीं, उन प्रवृत्तियों की होनी चाहिए जो धर्म को धन, प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत लाभ से जोड़ती हैं।

सरकार और सामाजिक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी है कि धार्मिक संस्थानों में आर्थिक पारदर्शिता को प्रोत्साहित किया जाए। श्रद्धालुओं को दान के उपयोग की जानकारी मिले। धार्मिक मंचों का उपयोग अंधविश्वास, भेदभाव और सामाजिक वैमनस्य फैलाने के लिए न हो। कथा आयोजनों के साथ रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, निर्धन बच्चों की शिक्षा, गौसेवा और जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्यक्रमों को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

# अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेट्स की जीत

**सौरभ वार्ष्णेय**

अमेरिका के हालिया मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की शानदार वापसी केवल अमेरिकी राजनीति में सत्ता संतुलन बदलने की घटना नहीं है, बल्कि इसका असर वैश्विक राजनीति, आर्थिक नीतियों और भारत-अमेरिका संबंधों पर भी पड़ सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को दोनों सदनों में झटका देकर डेमोक्रेट्स ने अमेरिकी राजनीति में अपनी ताकत का अहसास कराया है। ऐसे में भारत के लिए यह समझना जरूरी है कि इस राजनीतिक बदलाव को किस नजरिये से देखा जाए और इससे भारत को क्या लाभ या चुनौतियां मिल सकती हैं।

अमेरिका के 3 नवंबर 2026 को हुए मध्यावधि चुनावों के नतीजे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के प्रति जनता की नाराजगी का संकेत हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट, दोनों में बहुमत हासिल कर रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका दिया है। टेक्सास, जॉर्जिया, ओहायो और आयोवा जैसे राज्यों में डेमोक्रेट्स की जीत ने इस परिणाम को और महत्वपूर्ण बना दिया है। चुनावी नतीजों के पीछे महंगाई, जीवन यापन की बढ़ती लागत, ईरान के साथ युद्ध और सरकार के कामकाज को लेकर मतदाताओं की असंतुष्टि प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें राष्ट्रपति का चुनाव नहीं होता, बल्कि संसद के दोनों सदनों और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों का चुनाव होता है। इसलिए डेमोक्रेट्स की जीत का अर्थ ट्रंप की राष्ट्रपति पद से विदाई नहीं है, लेकिन अब उनके लिए अपनी नीतियों को बिना राजनीतिक विरोध के लागू करना आसान नहीं रहेगा। अमेरिकी लोकतंत्र की यही खूबी है कि वहां सत्ता में बैठी सरकार को भी जनता के फैसले और संसद की निगरानी का सामना करना पड़ता है।

भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है यह बदलाव? भारत को इस चुनावी नतीजे को किसी एक राजनीतिक दल की हार या जीत के चश्मे से देखने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के नजरिये से समझना होगा। अमेरिका के साथ भारत के संबंध पिछले दो दशकों में लगातार मजबूत हुए हैं। राष्ट्रपति जॉर्ज बुश से लेकर बराक ओबामा, डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन तक, अलग अलग राजनीतिक विचारधाराओं वाली सरकारों ने भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाया है। अमेरिकी कांग्रेस में भी भारत के साथ संबंधों को लेकर व्यापक द्विदलीय समर्थन रहा है। इसलिए डेमोक्रेट्स की जीत से भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा पूरी तरह बदल जाएगी, ऐसा मानना जल्दबाजी होगी। हालांकि, इस बदलाव से भारत को कुछ नए अवसर जरूर मिल सकते हैं। पहला अवसर व्यापार और आर्थिक सहयोग का है। पिछले कुछ समय से राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ नीति भारत और अमेरिका के बीच तनाव का कारण बनी हुई थी। भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने और व्यापारिक शर्तों को लेकर दबाव बनाने की नीति ने भारतीय निर्यातकों की चिंताएं बढ़ाई थीं।

अब कांग्रेस में डेमोक्रेट्स के मजबूत होने से व्यापारिक नीतियों पर अधिक बहस और समीक्षा की संभावना है। इससे भारत को अमेरिकी बाजार में अपने उत्पादों के लिए बेहतर अवसर तलाशने का मौका मिल सकता है। हालांकि, यह उम्मीद करना उचित नहीं होगा कि डेमोक्रेट्स सत्ता में आते ही भारत के प्रति सभी व्यापारिक प्रतिबंध समाप्त कर देंगे। दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र रक्षा और सामरिक सहयोग है। चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक ताकत अमेरिका के लिए भी चिंता का विषय है और भारत के लिए भी।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। क्वाड के माध्यम से भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया पहले ही क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग के मुद्दों पर साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिकी संसद में डेमोक्रेट्स का प्रभाव बढ़ने से भारत के साथ रक्षा तकनीक, समुद्री सुरक्षा, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और आधुनिक सैन्य उपकरणों के क्षेत्र में सहयोग को नई गति मिल सकती है। तीसरा बड़ा क्षेत्र भारतीय पेशेवरों और विद्यार्थियों का है। अमेरिका में लाखों भारतीय मूल के लोग रहते हैं और बड़ी संख्या में भारतीय युवा उच्च शिक्षा तथा रोजगार के लिए वहां जाते हैं। एच-1बी वीजा, स्थायी निवास और आव्रजन नीतियां भारतीय समुदाय के लिए हमेशा महत्वपूर्ण रही हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी सामान्यतः आव्रजन सुधारों और कुशल विदेशी पेशेवरों के लिए अवसर बढ़ाने की पक्षधर रही है। इसलिए अमेरिकी संसद में उसकी मजबूती से भारतीय आईटी पेशेवरों, विद्यार्थियों और कुशल कामगारों के हितों पर सकारात्मक चर्चा की संभावना बढ़ सकती है। लेकिन वीजा नीति में वास्तविक बदलाव के लिए राष्ट्रपति प्रशासन और संसद के बीच सहमति जरूरी होगी।

भारत को इस चुनावी परिणाम का एक दूसरा पहलू भी ध्यान में रखना होगा। डेमोक्रेटिक पार्टी की राजनीति में मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों को अपेक्षाकृत अधिक महत्व दिया जाता है। अतीत में डेमोक्रेटिक नेताओं और सांसदों के कुछ बयानों में भारत की आंतरिक परिस्थितियों पर सवाल उठाए गए हैं। इसलिए यह संभव है कि अमेरिकी कांग्रेस में भारत से जुड़े ऐसे मुद्दों पर चर्चा और दबाव बढ़े। भारत को अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती के साथ इन सवालों का तथ्यपरक जवाब देना होगा। पाकिस्तान के मामले में भी भारत को सतर्क रहने की आवश्यकता है। अमेरिका की विदेश नीति में पाकिस्तान का सामरिक महत्व समय-समय पर बदलता रहा है। आतंकवाद के मुद्दे पर भारत चाहता है कि अमेरिका पाकिस्तान की भूमिका को लेकर किसी प्रकार का दोहरा रवैया न अपनाए। डेमोक्रेटिक पार्टी के सत्ता संतुलन में मजबूत होने से यह जरूरी नहीं कि पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी नीति पूरी तरह भारत के अनुकूल हो जाएगी। भारत को आतंकवाद के विरुद्ध अपने पक्ष को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रखते रहना होगा।

इस चुनाव का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यह है कि अमेरिका की जनता ने राष्ट्रपति की शक्तियों पर संसदीय निगरानी और संतुलन की आवश्यकता को महत्व दिया है। अब ट्रंप प्रशासन को बजट, कानून, नियुक्तियों और कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसलों में डेमोक्रेट्स के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी कांग्रेस की जांच-पड़ताल और निगरानी भी बढ़ेगी। इससे ट्रंप की एकतरफा फैसले लेने की क्षमता सीमित हो सकती है। लेकिन भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका की विदेश नीति केवल राष्ट्रपति या किसी एक राजनीतिक दल की इच्छा से संचालित नहीं होती। वहां राष्ट्रीय सुरक्षा, चीन के प्रति रणनीति, रक्षा उद्योग और वैश्विक आर्थिक हितों जैसे मुद्दों पर दोनों दलों के बीच कई समानताएं भी हैं।

# ट्रंप की चुनावी हार : भारत के लिए राहत

**सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'**

अमेरिका की राजनीति में हुए मध्यावधि (मिडटर्म) चुनाव के परिणामों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक ताकत को बड़ा झटका दिया है। अमेरिकी संसद में डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़त ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था में राष्ट्रपति की सत्ता भी असीमित नहीं है। इस चुनावी परिणाम का प्रभाव केवल अमेरिका की घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन पर भी दिखाई दे सकता है। भारत के संदर्भ में यह घटनाक्रम विशेष महत्व रखता है।

सवाल यह है कि ट्रंप की इस चुनावी पराजय से भारत को आखिर क्या हासिल हो सकता है? सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि ट्रंप राष्ट्रपति पद से हटे नहीं हैं। वे अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, लेकिन संसद में विपक्ष की मजबूत स्थिति उनके फैसलों पर अंकुश लगाने की क्षमता रखती है। अब उनके लिए हर महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय को पहले की तरह आसानी से आगे बढ़ाना संभव नहीं होगा। यही बदला हुआ राजनीतिक समीकरण भारत के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोल सकता है। ट्रंप की आर्थिक और व्यापारिक नीति का एक प्रमुख आधार संरक्षणवाद रहा है। उन्होंने अमेरिका के आर्थिक हितों के नाम पर कई देशों पर आयात शुल्क बढ़ाने और व्यापारिक दबाव बनाने की रणनीति अपनाई। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क संबंधी फैसलों ने कपड़ा, दवा, इंजीनियरिंग, रत्न-आभूषण और अन्य निर्यात क्षेत्रों के सामने चुनौतियां खड़ी की हैं। अब अमेरिकी संसद में डेमोक्रेटिक पार्टी की मजबूती से ट्रंप की व्यापारिक नीतियों पर सवाल उठने और उनकी समीक्षा की संभावना बढ़ सकती है। इससे भारत को अपने निर्यात हितों की रक्षा करने तथा अमेरिका के साथ अधिक संतुलित व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत करने का अवसर मिल सकता है। हालांकि यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि सभी शुल्क तत्काल समाप्त हो जाएंगे, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास कुछ परिस्थितियों में कार्यकारी अधिकार भी बने रहेंगे।

**रूस से तेल खरीदने के मामले में भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता**

भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में एक रूस से कच्चे तेल की खरीद का है। भारत की ऊर्जा जरूरतें बहुत बड़ी हैं और कच्चे तेल का आयात उसकी अर्थव्यवस्था की अनिवार्य आवश्यकता है।

रूस से प्रतिस्पर्धी कीमतों पर तेल खरीदने से भारत को अपनी ऊर्जा लागत नियंत्रित रखने में मदद मिली है। ट्रंप प्रशासन ने रूस के साथ ऊर्जा व्यापार करने वाले देशों पर दबाव बनाने की नीति अपनाई है। भारत ने हमेशा स्पष्ट किया है कि उसकी ऊर्जा खरीद का आधार राष्ट्रीय हित और अपने नागरिकों की आवश्यकताएं हैं। अमेरिकी संसद में विपक्ष की मजबूत स्थिति से रूस संबंधी प्रतिबंधों और अतिरिक्त शुल्क की नीतियों पर अधिक बहस तथा निगरानी संभव है। इससे भारत को अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए कूटनीतिक अवसर मिल सकते हैं। यहां भारत को विशेष सावधानी बरतनी होगी। रूस और अमेरिका दोनों के साथ संबंध भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसलिए किसी एक देश के दबाव में दूसरे देश के साथ संबंध कमजोर करना भारत की दीर्घकालिक विदेश नीति के अनुकूल नहीं होगा।

**भारतीय युवाओं और आईटी पेशेवरों के लिए उम्मीद**

अमेरिका में भारतीय पेशेवरों की बड़ी भागीदारी है। सूचना प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, अनुसंधान और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभाओं ने अपनी विशेष पहचान बनाई है। एच-1बी वीजा और आव्रजन संबंधी कठोर नीतियों ने भारतीय युवाओं तथा अमेरिकी कंपनियों में कार्यरत पेशेवरों की चिंताएं बढ़ाई हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की मजबूत संसदीय स्थिति से आव्रजन नीतियों, कुशल विदेशी कामगारों के अधिकारों और वीजा व्यवस्था पर पुनर्विचार की मांग तेज हो सकती है। यदि इस दिशा में सकारात्मक बदलाव होते हैं तो भारतीय युवाओं को इसका लाभ मिल सकता है। हालांकि वीजा व्यवस्था में परिवर्तन के लिए विधायी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं आवश्यक होंगी। इसलिए इसे तत्काल मिलने वाली राहत के बजाय एक संभावित अवसर के रूप में देखना चाहिए।

**भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में बदलेगा शक्ति संतुलन?**

अमेरिका भारत का महत्वपूर्ण व्यापारिक और रणनीतिक साझेदार है। लेकिन दोनों देशों के बीच व्यापारिक असंतुलन, कृषि बाजार, डिजिटल कारोबार, बौद्धिक संपदा और आयात शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी रहे हैं। ट्रंप की आक्रामक व्यापार नीति के कारण भारत पर कई बार दबाव की स्थिति बनी। अब अमेरिकी संसद में विपक्ष की मजबूती से राष्ट्रपति की नीतियों पर संसदीय विमर्श और जवाबदेही बढ़ सकती है। इससे भारत को बातचीत में अपनी शर्तें मजबूती से रखने का अवसर मिल सकता है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी व्यापार समझौते में किसानों, छोटे उद्योगों, घरेलू विनिर्माण और स्थानीय उद्यमियों के हितों से समझौता न हो। भारत का विशाल उपभोक्ता बाजार उसकी सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियों में से एक है। उसे इस ताकत का उपयोग आत्मविश्वास के साथ करना चाहिए। अमेरिका की राजनीतिक अस्थिरता और व्यापारिक अनिश्चितता का असर दुनिया के वित्तीय बाजारों पर पड़ता है। ट्रंप की टैरिफ घोषणाओं और बदलती नीतियों ने कई बार वैश्विक निवेशकों को असमंजस में डाला है। यदि अमेरिकी संसद राष्ट्रपति की नीतियों पर प्रभावी निगरानी रखती है और व्यापारिक अनिश्चितता कम होती है तो अंतरराष्ट्रीय निवेश वातावरण में सुधार की संभावना बन सकती है। भारत को इसका लाभ विदेशी निवेश, विनिर्माण और तकनीकी सहयोग के रूप में मिल सकता है। लेकिन भारतीय शेयर बाजार का भविष्य केवल अमेरिकी चुनाव पर निर्भर नहीं है। कच्चे तेल की कीमतें, घरेलू महंगाई, ब्याज दरें, कंपनियों के वित्तीय परिणाम और विदेशी निवेश की दिशा भी उतनी ही महत्वपूर्ण रहेंगी।

**भारत की विदेश नीति : किसी का दबाव नहीं, केवल राष्ट्रीय हित सर्वोपरि**

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू भारत की विदेश नीति से जुड़ा है। भारत ने हमेशा रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग, रूस के साथ ऐतिहासिक संबंध, यूरोप के साथ व्यापारिक साझेदारी तथा एशिया में क्षेत्रीय सहयोग, ये सभी भारत की बहुआयामी कूटनीति के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। भारत को किसी एक वैश्विक शक्ति के पक्ष में खड़े होने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप निर्णय लेने चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा ओ.एस. पब्लिकेशन, बी-2542, नरेला, इंडस्ट्रियल एरिया, नार्थ वेस्ट दिल्ली-110040 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

# 'तीसरी बार सरकार बनने पर भी बांटेंगे नियुक्ति पत्र', सीएम योगी बोले-जारी रहेगा नौकरी देने का सिलसिला

**लखनऊ (एजेंसी)**



**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ की रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस उपनिरीक्षक पद पर चयनित 4,543 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने नवचयनित दरोगाओं से सीधे संवाद करते हुए भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल पूछे**

उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बड़ा राजनीतिक संदेश देते हुए कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार देने का सिलसिला लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि 9.50 लाख सरकारी भर्तियां पूरी करने के बाद एक लाख और भर्तियां करने का वादा किया था। अब यह लक्ष्य भी पूरा होने जा रहा है, लेकिन नियुक्तियों का सिलसिला यहीं नहीं थमेगा।

कुछ नियुक्ति पत्र रोककर रखे जाएंगे, जिन्हें तीसरी बार सरकार बनने पर वितरित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ की रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस उपनिरीक्षक पद पर चयनित 4,543 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने नवचयनित दरोगाओं से सीधे संवाद करते हुए भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल पूछे। उन्होंने अभ्यर्थियों से पूछा कि क्या किसी को नौकरी पाने के लिए सिफारिश करवानी पड़ी, क्या किसी स्तर पर लेन-देन हुआ या किसी ने रिश्वत देने की पेशकश की? साथ ही पूछा कि क्या किसी ने धौंस दिखाकर नियुक्ति पत्र हासिल करने की कोशिश की? सीएम योगी ने कहा कि तीसरी बात आज के उत्तर प्रदेश में संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। अब युवाओं को बिना सिफारिश, बिना भेदभाव और बिना रिश्वत के उनकी योग्यता के आधार पर नौकरी मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों के कार्यकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि 2003 से 2017 के बीच भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं। कई ऐसे मामले सामने आए, जिनमें आवेदन किसी और ने किया और नियुक्ति पत्र किसी दूसरे व्यक्ति को दे दिया गया। उन्होंने कहा कि ऐसी कई नियुक्तियों से जुड़े मामले आज भी न्यायालय में लंबित हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की चिंता होती है कि यदि कभी न्यायालय ने ऐसी भर्तियों में नियुक्त लोगों की सेवाएं समाप्त करने का आदेश दे दिया तो उन युवाओं का क्या होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने बेईमानी करके नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, उनकी संपत्ति जब्त करने का फैसला हो तो उन्हें बेहद प्रसन्नता होगी। सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में सरकारी भर्ती का मतलब सैफई सिंडिकेट बन गया था। प्रदेश के बाकी हिस्सों के युवाओं को भर्ती प्रक्रिया में अवसर नहीं मिल पाता था। आज स्थिति बदल चुकी है और प्रदेश के सभी क्षेत्रों के युवाओं को समान अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने शुरुआती कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि जब 2017 में उन्होंने सरकार की जिम्मेदारी संभाली, तब कर्मचारियों को वेतन देने के लिए भी पर्याप्त धनराशि नहीं थी।

पुलिस विभाग की स्थिति भी अच्छी नहीं थी। पुलिसकर्मियों के बैरक जर्जर थे और वहां रहने वाले जवानों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने बिगड़ी हुई व्यवस्था को सुधारकर उसे नई पहचान दी है। अब जरूरत है कि इस व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए पूरी मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ काम किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को सरकारी नौकरी देने का अभियान बिना रुके, बिना डिगे और बिना झुके आगे बढ़ता रहेगा। अब तक एक लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं। आने वाले समय में 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाते हुए नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने नवचयनित उपनिरीक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें आज ऐसी जिम्मेदारी मिलने जा रही है, जिसकी कल्पना बहुत से युवाओं ने की होगी, लेकिन उन्हें यह अवसर नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि इन अभ्यर्थियों को किसी सिफारिश या पक्षपात के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी योग्यता और कठिन परिश्रम के दम पर यह अवसर मिला है। खन्ना ने कहा कि यह चयन प्रक्रिया प्रदेश के युवाओं के लिए संदेश है कि मेहनत और लगन से काम करने पर मनचाहा परिणाम हासिल किया जा सकता है।

## मुख्यमंत्री योगी की अपील : इस धनतेरस ओडीओपी उत्पादों को बनाएं उपहार, मनाएं लोकल वाली दिवाली

**लखनऊ (एजेंसी)**



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धन्वंतरि जयंती और धनतेरस के अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील की है कि अपने उत्सव के उल्लास में उन कर्मठ कारीगरों और शिल्पकारों को भी सहभागी बनाएं, जिनकी कला और अनवरत साधना हमारी सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी समृद्ध कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के विजन को आत्मसात करते हुए इस धनतेरस ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) उत्पादों को ही उपहार स्वरूप चुनें।

मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'धनतेरस का पावन पर्व समृद्धि, शुभता और मंगल का प्रतीक है। इस पावन अवसर पर अपने उत्सव के उल्लास में प्रदेश के उन कर्मठ कारीगरों और शिल्पकारों को भी सहभागी बनाएं, जिनकी कला और अनवरत साधना हमारी सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी समृद्ध कर रही है।' उन्होंने कहा कि भदोही के विश्वप्रसिद्ध कालीन, प्रयागराज का मूंज शिल्प, मैनपुरी की तारकशी और चित्रकूट के काष्ठ खिलौने उत्तर प्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। प्रदेश का निर्यात वर्ष 2016-17 के 84 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 2 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचना हमारे शिल्पकारों-दस्तकारों की उद्यमशीलता और सामर्थ्य का प्रमाण है। सीएम ने कहा कि लखनऊ और ग्रेटर नोएडा के आधुनिक एक्सपो मार्ट तथा भदोही का 'कार्पेट बाजार' प्रदेश के पारम्परिक शिल्पों को आज वैश्विक मंचों पर नई पहचान दिला रहे हैं। उन्होंने 'एक्स' कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के विजन को आत्मसात करते हुए इस धनतेरस ओडीओपी उत्पादों को ही उपहार स्वरूप चुनें। आपकी एक खरीदारी किसी हुनरमंद परिवार के आंगन में स्वावलंबन और सम्मान का दीप प्रज्वलित कर सकती है।

## रामकुमार सिंह हत्याकांड का मुख्य शूटर मुठभेड़ में घायल, पुलिस ने पवन यादव को दबोचा

**भोजपुर (एजेंसी)**



भोजपुर में कस्टम विभाग के सेवानिवृत्त असिस्टेंट कमिश्नर रामकुमार सिंह हत्याकांड की जांच में पुलिस को एक और अहम कामयाबी मिली है। शुक्रवार सुबह मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सारंगपुर मोड़ के पास पुलिस और हत्याकांड के कथित मुख्य शूटर के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में पवन यादव के दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लगी। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस अब हत्या में इस्तेमाल हथियार, अन्य आरोपियों की भूमिका और 14 कट्ठा जमीन के विवाद की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा हाउसिंग निवासी 22 वर्षीय पवन यादव के रूप में हुई है। पुलिस टीम उसे हत्याकांड में इस्तेमाल किए गए हथियार की बरामदगी के लिए सारंगपुर मोड़ के पास ले गई थी। इसी दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें पवन के दाहिने पैर में गोली लग गई।

भोजपुर एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि घटना के दौरान पवन के साथ कुछ अन्य लोग भी मौजूद थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस कार्रवाई कर रही है। सूचना मिलने पर एसपी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों से जानकारी ली। पुलिस के मुताबिक, हत्याकांड में पहले गिरफ्तार किए गए शूटर पिंटू कुमार की निशानदेही पर पवन यादव तक पहुंचा गया। पिंटू को मुख्य आरोपी चंदन सिंह का दोस्त बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, पिंटू का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास और शराब से जुड़े मामलों समेत करीब 10 आपराधिक केस दर्ज होने की बात सामने आई है। पुलिस ने बताया कि पिंटू वारदात के दिन हथियार लेकर घूम रहा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद घर से एक देसी कट्टा और दो कारतूस भी बरामद किए गए थे। अब पवन की गिरफ्तारी के बाद पुलिस हत्या में इस्तेमाल हथियार की बरामदगी और वारदात में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। एसपी अवधेश दीक्षित के अनुसार, हत्या से पहले सभी आरोपियों ने एक साथ बैठकर वारदात की साजिश रची थी। पुलिस हत्याकांड के पीछे 14 कट्ठा जमीन के विवाद को भी अहम बिंदु मानकर जांच कर रही है। इस जमीन में हिस्सेदारी रखने वाले लोगों की पहचान की जा चुकी है।

## रामायण फिल्म के शो के दौरान शॉर्ट सर्किट : प्रोजेक्टर रूम से निकलने लगा धुआं, मॉल में मची अफरा-तफरी

**ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)**



ग्रेनो वेस्ट स्थित गैलेक्सी ब्लू सफायर मॉल के यूएस सिनेमा में गुरुवार शाम फिल्म रामायण की स्क्रीनिंग के दौरान अचानक प्रोजेक्टर रूम से धुआं निकलने लगा। धुआं फैलते ही सिनेमा हॉल में मौजूद दर्शकों के बीच अफरा-तफरी मच गई। एहतियात के तौर पर फिल्म का शो बीच में ही रोक दिया गया और ऑडिटोरियम खाली करा लिया गया। घटना के चलते सिनेमा के तीन ऑडिटोरियम में फिल्म की स्क्रीनिंग बंद करनी पड़ी। गनीमत रही कि समय रहते स्थिति को संभाल लिया गया और कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के मुताबिक, थाना बिसरख क्षेत्र के गैलेक्सी ब्लू सफायर मॉल स्थित यूएस सिनेमा में गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे ऑडिटोरियम नंबर-10 में रामायण फिल्म का शो चल रहा था। इसी दौरान प्रोजेक्टर रूम में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। इससे तार गर्म होने लगे और वहां धुआं फैल गया। प्रोजेक्टर से धुआं निकलता देख सिनेमा हॉल में मौजूद दर्शक घबरा गए। इसके बाद सिनेमा प्रबंधन ने तत्काल शो रुकवाकर लोगों को बाहर निकालना शुरू कर दिया। ऑडिटोरियम नंबर-10 में उस समय करीब 25 दर्शक फिल्म देख रहे थे। वहीं पुलिस के अनुसार मौके पर मौजूद लोगों ने अग्निशमन यंत्र की मदद से तारों में लगी आग को शुरुआती स्तर पर ही बुझा दिया। इसके बाद ऑडिटोरियम में मौजूद करीब 10 से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना के बाद एहतियातन तीन ऑडिटोरियम में स्क्रीनिंग रोक दी गई।

## खाना बनाते समय गैस रिसाव से हादसा, मकान की दीवार गिरी, दो लोग गंभीर घायल

**बक्सर (एजेंसी)**



बिहार के बक्सर में शुक्रवार सुबह घरेलू गैस रिसाव के बीच बड़ा हादसा हो गया। राजपुर प्रखंड के खेमपुर गांव में रसोई में गैस रिसाव के दौरान अचानक मकान की दीवार भरभराकर गिर गई। मलबे की चपेट में आने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने दोनों घायलों को मलबे से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), राजपुर पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे खेमपुर गांव में घर के अंदर खाना बनाने की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान रसोई गैस का रिसाव होने लगा। गैस रिसाव के बीच अचानक मकान की दीवार भरभराकर गिर गई। दीवार गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। हादसे में खेमपुर निवासी रमाकांत राम (59) और धर्मेंद्र राम (28) मलबे की चपेट में आकर घायल हो गए। घटना के बाद घर में मौजूद परिजनों और आसपास के लोगों में चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीणों और परिजनों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया। दोनों घायलों को मलबे से बाहर निकालकर इलाज के लिए सीएचसी राजपुर पहुंचाया गया।

अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, हादसे के पीछे गैस रिसाव की आशंका है। हालांकि, मकान की दीवार गिरने का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। धनसोई थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। घरेलू गैस सिलेंडर का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतना जरूरी है। गैस की गंध महसूस होने पर तुरंत रेगुलेटर बंद कर देना चाहिए। खिड़की और दरवाजे खोलकर हवा आने-जाने का रास्ता बनाएं। इस दौरान बिजली के स्विच, पंखे या किसी भी इलेक्ट्रिकल उपकरण को चालू या बंद न करें। माचिस और लाइटर का इस्तेमाल भी नहीं करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थान पर जाकर गैस एजेंसी या आपातकालीन सेवा को सूचना दें।

## पटना पुलिस ने मुठभेड़ में तीन अपराधियों को किया ढेर, मनेर के थानाध्यक्ष गोली लगने से घायल

**पटना (एजेंसी)**

राजधानी पटना में शुक्रवार सुबह पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान तीन अपराधियों को मार गिराया। इस कार्रवाई के दौरान एक पुलिस अधिकारी को भी गोली लगी है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल, पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि आधा दर्जन से अधिक अपराधी शेरपुर गंगा नदी किनारे किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में जुटे हैं। सूचना मिलते ही एसटीएफ और मनेर थाना की पुलिस ने संयुक्त रूप से इलाके में घेराबंदी कर छापेमारी शुरू की।

इसी दौरान अपराधियों ने पुलिस टीम को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलीबारी में मनेर थानाध्यक्ष के हाथ में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से करीब 40 से अधिक राउंड गोलियां चलीं। पटना एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा के अनुसार, पुलिस की ओर से 18 राउंड और अपराधियों की ओर से लगभग 24 से 25 राउंड फायरिंग की गई। इस मुठभेड़ में तीन अपराधियों की मौत हो गई। घटनास्थल से दो पिस्टल, एक देसी कट्टा और गोलियां बरामद की गई हैं। वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ अन्य अपराधी भागने में सफल रहे। एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि अपराधियों का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। हाल ही में मनेर में अष्टमी के दिन हुई हत्या की घटना में भी इनकी संलिप्तता सामने आई थी। तीनों उस हत्याकांड में वांछित थे। इसके अलावा दानापुर और शाहपुर समेत अन्य थानों में भी इनके खिलाफ मामले दर्ज थे।

# प्रधानमंत्री मोदी 21 नवंबर को करेंगे वैशाली का दौरा, छह लेन के पुल का करेंगे उद्घाटन

**पटना (एजेंसी)**



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को बिहार के वैशाली जिले के दौरे पर आने वाले हैं। इस दौरान वह छह लेन के पुल का उद्घाटन करेंगे। यह दौरा बिहार में एनडीए सरकार के एक वर्ष पूरे होने से पहले हो रहा है। सरकार की पहली वर्षगांठ के अवसर पर 20 नवंबर को एक विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे और कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री आवास पर एनडीए की एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनडीए के सभी घटक दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा, संगठनात्मक तैयारियों और प्रधानमंत्री के दौरे को सफल बनाने को लेकर चर्चा की गई। बैठक के बाद बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे को सफल बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा हुई है। इस बीच, संजय सरावगी ने कार्यक्रम स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा भी लिया। इस दौरान विधायक अवधेश सिंह, लालगंज विधायक संजय सिंह और राजापाकर विधायक महेंद्र राम सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। दूसरी ओर, गुरुवार को एक उच्चस्तरीय प्रशासनिक टीम ने वैशाली जिले के राजापाकर विधानसभा क्षेत्र के बहसी गांव के पास प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण दल में बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रीता वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव, तिरहुत रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी), वैशाली के जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, प्रस्तावित हेलीपैड, मंच निर्माण, बैरिकेडिंग और यातायात प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसके अलावा कार्यक्रम के सुचारू आयोजन के लिए अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। मीडिया से बातचीत में जिला अधिकारी वर्षा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने दौरे के दौरान एक छह लेन वाले पुल का उद्घाटन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि निरीक्षण का उद्देश्य कार्यक्रम स्थल का आकलन करना और यह सुनिश्चित करना था कि सभी जरूरी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं। एनडीए सरकार के लिए यह प्रस्तावित दौरा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि राज्य सरकार अपने पहले वर्ष का कार्यकाल पूरा होने का जश्न मनाने की तैयारी कर रही है।

## पटना में एनकाउंटर : पुलिस-अपराधियों के बीच भिड़ंत में जेपी यादव समेत तीन की मौत

**पटना (एजेंसी)**

पटना जिले के मनेर में बुधवार को पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। शेरपुर गंगा घाट के पास हुई इस मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान तीन अपराधियों की गोली लगने मौत हो गई। वहीं, अपराधियों की गोली लगने से मनेर थानेदार रजनीश कुमार घायल हो गए। मरने वालों में जेपी यादव और उसके दो सहयोगी बबलू तथा राजा शर्मा शामिल थे।

तीनों पैक्स अध्यक्ष हत्याकांड में शामिल थे। इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी जेपी यादव था। इधर, इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पटना एसएसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ ही गोलीबारी से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। इधर, जिस अस्पताल में तीनों आरोपियों को मृत घोषित किया गया, वहां पर इनके परिजन पहुंच गए। परिजनों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस ने समझाने की कोशिश की लेकिन परिजन नहीं मान रहे हैं। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने फर्जी एनकाउंटर किया है। तीन के शव दिखाने की मांग कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि पुलिस अगर चाहती तो इनके पैरों में गोली मारकर घायल कर देती लेकिन जान से क्यों मार दिया? पुलिस ने साजिश रचकर तीनों को मार गिराया है। परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए बिहार एसटीएफ और पटना पुलिस की ओर से लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 6 नवंबर को गुप्त सूचना के आधार पर मनेर थाना क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि आपराधिक इतिहास रखने वाले कुछ अपराधी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं।

## पुजारी को बंधक बनाकर लूटने वाले 5 बदमाश गिरफ्तार, मुठभेड़ में 2 को लगी गोली

**बलिया (एजेंसी)**



उत्तर प्रदेश के बलिया जिले की रसड़ा पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मंदिर में लूटपाट करने वाले दो आरोपी घायल हो गए, जबकि तीन अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने लखनेश्वर डीह शिव मंदिर से चुराए गए चांदी के आभूषण, दो देसी पिस्तौल, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई गाड़ी बरामद की है। घायल आरोपियों का जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया, 'अपराधियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत शुक्रवार को रसड़ा थाने की पुलिस आम घाट की ओर जाने वाली सड़क पर लखनेश्वर डीह मंदिर के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बिना रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट वाली एक इनोवा कार आती दिखी। पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया, तो गाड़ी नहीं रुकी और भागने की कोशिश की। पुलिस ने पीछा किया, तो गाड़ी से दो आरोपी उतरे और उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दो बदमाश घायल हो गए।' एएसपी ने बताया कि गाड़ी में तीन और बदमाश थे, जिन्होंने भागने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों बदमाशों को पकड़ लिया। घायल बदमाशों ने पूछताछ के दौरान जिशांन आलम और दूसरे का नाम चंद्रशेखर कुमार बताया, जो मोतिहारी, पूर्वी चंपारण के रहने वाले हैं। इसके साथ ही आरोपी सूरज पासवान, चंद्रशेखर और बाला समेत कुल मिलाकर पांच आरोपी गिरफ्तार किए गए। एएसपी ने बताया कि बदमाशों ने पूछताछ में बताया कि थाना रसड़ा के अंतर्गत लखनेश्वर डीह शिव मंदिर में पुजारी को डरा-धमकाकर उनके हाथ-पैर बांध दिए थे। इसके बाद चांदी के छत्र और नाग को लूट ले गए थे। इस लूट में शामिल बदमाशों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही थी। एएसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने थाना कासिमाबाद, जनपद गाजीपुर में पंच मंदिर में राधा-कृष्ण के मुकुट को भी चोरी किया था। गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से दो 315 बोर के तमंचे, कारतूस और घटना में इस्तेमाल की गई गाड़ी बरामद की गई है।

# अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव के नतीजे घोषित, नोमान अशरफ अध्यक्ष चुने गए, नशरा नईम बनीं पहली महिला उपाध्यक्ष

**अलीगढ़ (एजेंसी)**



**एमयू छात्रसंघ चुनाव के इतिहास में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सचिव के तीन प्रमुख पदों में से किसी एक पर चुनी जाने वाली वह पहली महिला हैं। पांच नवंबर को 13 मतदान केंद्रों पर वोट डाले गए**

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में आठ साल बाद हुए छात्रसंघ चुनाव के नतीजे शुक्रवार सुबह घोषित हुए। इतिहास विभाग के शोधार्थी नोमान अशरफ अध्यक्ष चुने गए हैं, जबकि बीटेक के छात्र मोहम्मद हमदान मानद सचिव बने हैं। वहीं, लॉ की छात्रा नशरा नईम ने उपाध्यक्ष पद जीतकर इतिहास रचा है।

एएमयू छात्रसंघ चुनाव के इतिहास में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सचिव के तीन प्रमुख पदों में से किसी एक पर चुनी जाने वाली वह पहली महिला हैं। पांच नवंबर को 13 मतदान केंद्रों पर वोट डाले गए। एएमयू कैंपस के ही एबीके स्कूल में रात भर चली मतगणना के बाद शुक्रवार सुबह नतीजे सामने आए। अध्यक्ष पद पर नोमान अशरफ को 7,797 वोट मिले। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मोहम्मद इंतिखाब को 4,121 वोटों से हराया। अंतिम दौर की गिनती में जीत की तस्वीर साफ होते ही समर्थकों ने नारेबाजी और आतिशबाजी शुरू कर दी। उपाध्यक्ष पद पर सात प्रत्याशी मैदान में थे। छात्रा नशरा नईम और साकिब अली खान के बीच करीबी मुकाबला रहा। गिनती के आखिरी दौर में नशरा ने बढ़त बनाई और जीत दर्ज की।

नशरा ने इसे पूरी छात्र बिरादरी की जीत बताया। उन्होंने कहा कि एक सोच के साथ नई शुरुआत की है और उम्मीद है कि यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष नोमान अशरफ ने नतीजों के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा, आठ साल के लंबे संघर्ष के बाद आखिरकार हमें यह मौका मिला है, और यह बहुत खुशी का पल है।

आप यहां छात्रों के बीच उत्साह और जोश देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमने चुनाव के समय जो मुद्दे उठाए और जो वादे किए, उन पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे। यह जीत हमारे लिए एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। साथ ही, नोमान अशरफ ने यूनिवर्सिटी के सभी छात्रों को आभार व्यक्त किया। नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष नशरा नईम ने कहा, मेरा मानना है कि इतने कम समय में, सीमित संसाधनों और एक छोटी सी टीम के साथ यह कामयाबी इसलिए मिल सकी, क्योंकि हमारे साथ जुड़े लोगों में समर्पण, साहस और ईमानदारी थी।

मुझे लगता है कि नेतृत्व को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। पिछले आठ सालों में कई मुद्दे सामने आए हैं और उससे पहले भी, जब छात्र संघ सक्रिय था, तब हमने कई चुनौतियों के बारे में सुना था। नवनिर्वाचित सचिव मोहम्मद हमदान ने कहा, यह जीत जितनी बड़ी है, इसके साथ जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। मैं इसे निभाने की पूरी कोशिश करूंगा।

# ट्रंप ने ईरान पर और सैन्य कार्रवाई के दिए संकेत, डेमोक्रेट्स ने युद्ध खत्म करने के लिए बनाई वोटिंग की योजना

**वाशिंगटन (एजेंसी)**



**व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'अगर संभव हो तो मैं बाकी देश को बर्बाद नहीं करना चाहूंगा, लेकिन शायद मुझे ऐसा करना पड़े। आपको जल्द ही पता चल जाएगा।' उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए कोई समय-सीमा या लक्ष्य नहीं बताया और न ही किसी नए हमले का आदेश देने की घोषणा की**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ और सैन्य कार्रवाई करने का संकेत दिया है। हालांकि, उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए कोई समय-सीमा या लक्ष्य नहीं बताया है। इसी बीच, हाउस के वरिष्ठ डेमोक्रेट्स ने युद्ध को खत्म करने के लिए वोटिंग की योजना बनाई है। वे इस युद्ध के उद्देश्यों और इसमें होने वाले खर्च के बारे में जवाब मांग रहे हैं। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'अगर संभव हो तो मैं बाकी देश को बर्बाद नहीं करना चाहूंगा, लेकिन शायद मुझे ऐसा करना पड़े।

आपको जल्द ही पता चल जाएगा।' उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए कोई समय-सीमा या लक्ष्य नहीं बताया और न ही किसी नए हमले का आदेश देने की घोषणा की। इससे पहले, डेमोक्रेट्स अगली कांग्रेस के लिए अपनी विदेश नीति का एजेंडा तैयार कर रहे हैं। प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स ने संघर्ष को समाप्त करने के लिए प्रस्ताव लाने का वादा किया, जबकि डेमोक्रेटिक व्हिप कैथरीन क्लार्क ने युद्ध के लक्ष्यों और इससे बाहर निकलने की रणनीति पर सवाल उठाए। इन बयानों ने राष्ट्रपति ट्रंप की ईरान नीति के खिलाफ कांग्रेस में मौजूद विरोध को दर्शाया। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के वरिष्ठ डेमोक्रेट, ग्रेगरी मीक्स ने 4 नवंबर को एक पत्र लिखकर अपने सहयोगियों से कमेटी का अध्यक्ष बनने के लिए समर्थन मांगा। उन्होंने लिखा, कानूनी मोर्चे पर, मैं राष्ट्रपति के ईरान के साथ युद्ध को तुरंत खत्म करने के लिए प्रस्ताव लाऊंगा। साथ ही, अमेरिकी विदेश नीति तय करने में कांग्रेस की जो उचित भूमिका है, उसे वापस बहाल करने को प्राथमिकता दूंगा। पत्र में यह भी प्रस्ताव दिया गया है कि ईरान युद्ध, वेनेजुएला, और सैन्य कार्रवाई व व्यापार पर कांग्रेस के अधिकार से जुड़े विवादों को लेकर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से सार्वजनिक रूप से गवाही मांगी जाए।

मीक्स अपनी विधायी और निगरानी संबंधी योजनाओं के बारे में बता रहे थे। पत्र में वोटिंग के लिए कोई तारीख तय नहीं की गई है और न ही इस वादे को लागू करने वाला कोई नया प्रस्ताव पेश किया गया है। इससे पहले, कैथरीन क्लार्क ने सीएनएन को बताया कि डेमोक्रेट्स प्रशासन पर इस संघर्ष के लिए लगातार फंडिंग जारी रखने और अमेरिकी सैनिकों को सुरक्षित घर वापस लाने की योजना के बारे में सवाल उठाएंगे। क्लार्क ने राष्ट्रपति ट्रंप पर आरोप लगाया कि वे देश को 'एक ऐसे लापरवाह युद्ध में धकेल रहे हैं, जिसकी न तो कोई एग्जिट स्ट्रेटेजी है और न ही कोई स्पष्ट लक्ष्य है।'

उन्होंने यह भी कहा कि इस संघर्ष की वजह से घरेलू ईंधन की कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेट्स प्रशासन के उद्देश्यों पर चर्चा करना चाहेंगे और यह जानना चाहेंगे कि अमेरिकियों और अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए इस युद्ध को कैसे खत्म किया जा सकता है। उधर, ओवल ऑफिस में एक कार्यक्रम के दौरान, डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य अभियान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि आगे क्या करना है, इस पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने अपनी इस बात को भी दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने चाहिए।

तेहरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े प्रस्तावों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, वे हमारी मंजूरी के बिना कुछ भी नहीं कर रहे हैं। गौरतलब है कि खाड़ी क्षेत्र का यह संघर्ष भारत सहित एशिया के प्रमुख ऊर्जा आयातकों के लिए भी चिंता का विषय है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी 'होर्मुज स्ट्रेट' को तेल परिवहन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग मानती है। इस जलमार्ग से जाने वाले तेल के मुख्य गंतव्यों में भारत, चीन और जापान शामिल हैं।

## रूसी ईंधन पर बैन को लेकर ट्रंप ने उठाए सवाल, कहा- कानून को देखूंगा, बदलाव का ऐलान नहीं

**वाशिंगटन (एजेंसी)**



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी पेट्रोलियम के आयात पर प्रतिबंध लगाने वाले अमेरिकी कानून पर सवाल उठाए और कहा कि वह इसे देखेंगे, लेकिन रूसी डीजल लेनदेन को लेकर अपने प्रशासन की मंजूरी पर विवाद के बीच उन्होंने नीति में किसी बदलाव का ऐलान नहीं किया। एक रिपोर्टर ने उन्हें बताया कि कांग्रेस ने यह कानून पारित किया था और तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2022 में इस पर हस्ताक्षर किए थे। इस पर ट्रंप ने कहा, 'शायद यही इसे काफी खराब कानून बनाता है। मैं इसे जरूर देखूंगा।'

ओवल ऑफिस में मौजूदगी के दौरान, रिपोर्टर ने अटलांटिक के पार रूसी डीजल ले जा रहे एक टैंकर के बारे में पूछा, जो कथित तौर पर अमेरिका जा रहा था और उसके कार्गो को उतारने पर कानूनी प्रतिबंध के बारे में सवाल किया। ट्रंप ने पहले पूछा कि क्या यह प्रतिबंध जोन्स एक्ट के तहत आता है। रिपोर्टर ने स्पष्ट किया कि सवाल 2022 में बनाए गए कानून से जुड़ा है। उनके जवाब में कोई समय-सीमा, प्रस्तावित संशोधन या यह स्पष्टीकरण नहीं था कि प्रशासन अपनी डीजल मंजूरी को कानूनी आयात प्रतिबंध के साथ कैसे जोड़ेगा। उन्होंने यह ऐलान नहीं किया कि प्रतिबंध हटा दिया गया है। यह अंतर इसलिए अहम है क्योंकि ट्रेजरी ने करीब एक महीने पहले ही एक अलग मंजूरी जारी कर दी थी। 9 अक्टूबर को विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने जनरल लाइसेंस 135 जारी किया। यह रूस से जुड़े दो तरह के प्रतिबंध नियमों के तहत अन्यथा प्रतिबंधित लेनदेन को अधिकृत करता है, जब वे रूसी मूल के डीजल की बिक्री, डिलीवरी, उतराई या आयात से संबंधित हों।

## पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बस और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत

**स्लामाबाद (एजेंसी)**



पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पाकपट्टन के पास एक यात्री बस और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पाकिस्तान के अखबार 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, 'रेस्क्यू 1122' ने बताया कि ट्रक और यात्री बस की टक्कर में 11 लोगों की जान चली गई। इसमें यह भी बताया गया कि आठ लोगों को मामूली चोटें आईं, जबकि 25 अन्य लोगों को पाकपट्टन के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला प्रशासन की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह हादसा दीपालपुर रोड पर हुआ। उस समय एक यात्री बस मुल्तान से कसूर की ओर जा रही थी, जबकि एक ट्रक विपरीत दिशा से आ रहा था। बस और ट्रक की टक्कर के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। पुलिस को इसकी सूचना दी गई। वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए क्रेन और अन्य भारी मशीनों का इस्तेमाल किया गया।

लगभग तीन घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा। स्थानीय मीडिया ने रेस्क्यू टीम के हवाले से बताया कि अक्टूबर में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 44,797 सड़क हादसे हुए, जिनमें 464 लोगों की मौत हो गई और 23,543 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से लगभग तीन-चौथाई सड़क हादसों में मोटरसाइकिलें शामिल थीं। ये आंकड़े पंजाब में 'रेस्क्यू 1122' के जिलों के आपातकालीन कामकाज की मासिक समीक्षा के दौरान सामने आए। पाकिस्तान के एक अन्य अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, विभाग ने बताया कि अक्टूबर के दौरान बचाव टीमों ने 231,056 आपातकालीन मामलों में कार्रवाई की और 233,210 लोगों की जान बचाई। इन घटनाओं में सड़क हादसे, आग लगने के मामले, मेडिकल इमरजेंसी, डूबने की घटनाएं और अन्य बचाव कार्य शामिल थे। विभाग के अनुसार, अक्टूबर में पंजाब में आग लगने की 1,726 घटनाएं और डूबने की 94 घटनाएं दर्ज की गईं। पंजाब में सड़क हादसों की सबसे अधिक संख्या लाहौर में दर्ज की गई, जहां 7,874 घटनाओं में मोटरसाइकिलें शामिल थीं।

## भारतीय-अमेरिकी वकील हरमीत ढिल्लों ने अमेरिकी न्याय विभाग से दिया इस्तीफा, बोलीं- चुनाव से पहले ही लिया था फैसला

**वाशिंगटन (एजेंसी)**



भारतीय-अमेरिकी वकील हरमीत ढिल्लों ने अमेरिकी न्याय विभाग में नागरिक अधिकार प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने मध्यावधि चुनाव से कई हफ्ते पहले ही छोड़ने का फैसला कर लिया था और व्हाइट हाउस के अनुरोध पर अपनी विदाई को टाल दिया था। अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने गुरुवार को पुष्टि की कि उन्होंने उनके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है।

चंडीगढ़ में जन्मी वकील के जाने पर प्रशासन की ओर से तारीफ हुई, जबकि डेमोक्रेट्स और पूर्व न्याय विभाग कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक समूह ने आलोचना की। हरमीत ढिल्लों ने फॉक्स न्यूज डिजिटल से कहा कि इस्तीफा देने का उनका फैसला मंगलवार के चुनाव से पहले ही लिया गया था। उन्होंने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि उन्हें जाने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा, मुझे इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा गया। मैंने तीन हफ्ते पहले इस्तीफा दे दिया था, और सूसी ने मुझसे कहा कि कृपया मध्यावधि चुनाव तक इंतजार करें। वह व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स की बात कर रही थीं। फॉक्स ने बताया कि ढिल्लों ने 5 नवंबर को औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपा, जो उनके द्वारा प्राप्त पत्र के अनुसार है।

उन्होंने फॉक्स न्यूज को बताया कि वह निजी कानूनी प्रैक्टिस में लौटना चाहती हैं और उन्हें लगता है कि उन्होंने वह काम पूरा कर लिया है, जिसके लिए वह वाशिंगटन आई थीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने बयान में ढिल्लों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया और नागरिक अधिकार प्रभाग की देखरेख के अपने रिकॉर्ड का बचाव किया। उन्होंने लिखा, नागरिक अधिकारों के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल के रूप में अपने देश की सेवा करना जीवन भर का सम्मान रहा। हमने अवैध डीईआई के पतन की शुरुआत की, हमने महिलाओं और लड़कियों के खेलों की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी, और भी बहुत कुछ किया।' डीईआई का मतलब विविधता, समानता और समावेशन है। उन्होंने आगे लिखा, मैं राष्ट्रपति ट्रंप को यह अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं आगे आने वाले समय का इंतजार कर रही हूं। ब्लैंच ने इस्तीफा स्वीकार करने की घोषणा करते हुए एक अलग पोस्ट में उनके नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, उन्होंने हर अमेरिकी की नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा की है और बिना किसी डर या पक्षपात के कानून को लागू किया है। विभाग उनकी समर्पित जनसेवा के लिए आभारी है, और हम उनके भविष्य के प्रयासों में हर सफलता की कामना करते हैं। वहीं, आलोचकों ने उनके कार्यकाल का बिल्कुल अलग आकलन किया।

## गोकुल डेयरी विवाद के बीच राज ठाकरे ने भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ' मार्च पर सवाल उठाए

**मुंबई (एजेंसी)**

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि एक तरफ तो वह देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ' मार्च निकाल रही है और दूसरी तरफ 'स्थानीय निकायों पर कब्जा करने के लिए लोकतांत्रिक जनादेश को दरकिनार' कर रही है। सत्ताधारी दल के विपक्ष के खिलाफ सड़कों पर उतरने के विरोधाभास पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने पार्टी के इरादों पर सवाल उठाए।

उन्होंने कोल्हापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (गोकुल डेयरी) के चुनावों में पार्टी की हालिया चालों का जिक्र किया। भाजपा की रणनीति का मजाक उड़ाते हुए ठाकरे ने इस विडंबना की ओर इशारा किया कि केंद्र से लेकर स्थानीय स्तर तक पूर्ण सत्ता रखने वाली पार्टी, 'संविधान बचाने' के नाम पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी सचमुच एक अजीब पार्टी है। सत्ता में पूरी तरह से काबिज होने के बावजूद 'लोकतंत्र बचाने' के लिए मार्च निकाल रही है। शायद दुनिया में यह इकलौता ऐसा उदाहरण होगा, जहां सत्ताधारी पार्टी ही विपक्ष के खिलाफ मार्च निकाल रही है। ठाकरे ने 'लोकतंत्र बचाने' का दावा करने वाली सत्ताधारी पार्टी की तुलना 'मुर्गियों को बचाने के लिए अभियान चलाने वाले केएफसी के मशहूर लोगो (मस्कट)' से की। उन्होंने आरोप लगाया कि एक दशक से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा अभी भी विपक्ष वाली मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाई है। भाजपा के 'दोहरे मापदंडों' को उजागर करने के लिए ठाकरे ने गोकुल डेयरी बोर्ड चुनावों में हाल ही में हुए घटनाक्रम का जिक्र किया।

## महाकाल मंदिर में दीपोत्सव की शुरुआत, फुलझड़ी से हुई बाबा की भस्म आरती, जयघोष से गूंजा परिसर

**उज्जैन (एजेंसी)**




दीपावली के पावन पर्व पर बाबा महाकाल की नगरी में परंपरा, भक्ति और सुरक्षा का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है। दीपोत्सव के शुभारंभ से ही श्री महाकालेश्वर मंदिर में हर आरती परंपरागत रूप से संपन्न हो रही है, जिसमें पूजा के अभिन्न अंग के रूप में एक फुलझड़ी जलाई जा रही है। एकादशी तिथि को दीपोत्सव महापर्व के शुभारंभ के अवसर पर ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर की संध्या आरती में फुलझड़ी जलाई गई और दीप प्रज्वलित किए गए। इसके साथ ही महाकाल मंदिर में दीपोत्सव की परंपरागत शुरुआत हो गई।

मंदिर प्रबंधन के अनुसार 8 नवंबर को दीपावली पर्व पर प्रातः भस्म आरती, अभ्यंग स्नान के पश्चात आरती, संध्या आरती एवं शयन आरती - इन चारों आरतियों में परंपरानुसार केवल एक-एक फुलझड़ी जलाई जाएगी। यह प्रक्रिया मंदिर की सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा के अनुरूप ही संपन्न होगी। वहीं दूसरी ओर गर्भगृह, कोटीतीर्थ कुण्ड, मंदिर परिसर तथा श्री महाकाल महालोक क्षेत्र में किसी भी प्रकार की आतिशबाजी, पटाखे फोड़ना, ज्वलनशील पदार्थ, अनार, फुलझड़ी या अन्य आतिशबाजी सामग्री लाना और प्रयोग करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि दीपावली पर्व को परंपरागत, शांतिपूर्ण और श्रद्धा-भाव से मनाएं और निर्देशों का पालन कर प्रशासन का सहयोग करें।

उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इसी दीपोत्सव की भक्ति के बीच शुक्रवार तड़के 4 बजे हुई भस्म आरती में बाबा महाकाल का दिव्य स्वरूप देखने को मिला। कार्तिक कृष्ण पक्ष की द्वादशी-त्रयोदशी तिथि पर मंदिर के पट खुलते ही पण्डे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। इसके बाद भगवान महाकाल का दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से जलाभिषेक किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया।

कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और मुंड माला धारण करवाई गई। इस दिन के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि बाबा महाकाल का भांग से श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद बाबा को भस्म रमाई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल के उद्घोष से गूंज उठा। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार स्वरूप में दर्शन देते हैं।

## असम पुलिस ने लंबित जांचों की संख्या 1.54 लाख से घटाकर 10,000 से कम की : सीएम हिमंता बिस्वा सरमा

**गुवाहाटी (एजेंसी)**

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को जानकारी दी कि पुलिस ने लंबित जांचों का काफी तेजी से निपटारा किया है। उन्होंने दावा किया कि 2020 में लगभग 1.54 लाख मामले लंबित थे, जो अब घटकर 10,000 से भी कम रह गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मुख्यमंत्री ने दीपावली का उदाहरण देते हुए बताया कि असम पुलिस की कार्यप्रणाली और दक्षता में बड़ा सुधार आया है। मुख्यमंत्री सरमा ने लिखा, हर दीपावली पर एक ही उलझन होती है कि कौन सा डिब्बा (उपहार) आगे पास किया जाए? असम पुलिस ने काफी समय पहले ही मामलों को एक-दूसरे पर टालना बंद कर दिया है। 2020 में 1.54 लाख मामले लंबित थे, जो आज घटकर 10,000 से भी कम रह गए हैं। मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब असम सरकार अपने शासन एजेंडे के तहत पुलिस सुधारों, जांच में तेजी लाने और न्याय मिलने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने पर जोर दे रही है। अगर लंबित जांचों में आई यह भारी कमी बनी रहती है, तो यह आपराधिक मामलों के निपटारे में एक बड़ा सुधार होगा और इससे आगे की न्यायिक प्रक्रिया में भी तेजी आ सकती है। देशभर की पुलिस के लिए लंबित जांच हमेशा से एक चुनौती रही है। कर्मचारियों की कमी, प्रक्रियात्मक देरी और आपराधिक शिकायतों की बढ़ती संख्या के कारण अक्सर बड़ी संख्या में मामले अनसुलझे रह जाते हैं।

हाल के वर्षों में, असम सरकार ने पुलिस के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और जांच में तकनीक के बेहतर इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित किया है। राज्य प्रशासन ने जांच अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ाने और जांच को समय पर पूरा करने की आवश्यकता पर भी बार-बार जोर दिया है।

## पंजाब में पराली जलाने के 2,787 मामले दर्ज, 46.10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया

**पटियाला (एजेंसी)**



पंजाब में धान की पराली जलाने की घटनाएं लगातार प्रशासन के लिए चुनौती बनी हुई हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) की ओर से जारी 5 नवंबर तक की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में पराली जलाने की कुल 2,787 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं के संबंध में 2,194 स्थानों का फील्ड निरीक्षण किया गया, जबकि 994 स्थानों पर खेतों में पराली जलाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पराली जलाने के मामलों में पर्यावरणीय मुआवजे के तहत 914 मामलों में कुल 46.10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इसमें से अब तक 24.85 लाख रुपए की वसूली की जा चुकी है। वहीं, पराली जलाने के मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत कुल 710 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इसके अलावा 829 मामलों में राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है। जिलावार आंकड़ों में तरनतारन जिला 586 घटनाओं के साथ सबसे आगे है। यहां 553 स्थानों का निरीक्षण किया गया और 294 स्थानों पर पराली जलाने की पुष्टि हुई। इसके बाद फिरोजपुर में 361, संगरूर में 240, अमृतसर में 221 और बठिंडा में 216 घटनाएं दर्ज की गई हैं। फिरोजपुर में 163 और संगरूर में 49 स्थानों पर आग लगाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, पटियाला में पराली जलाने की 156 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

इनमें से 103 स्थानों का फील्ड निरीक्षण किया गया और 59 स्थानों पर खेतों में आग लगाने की पुष्टि हुई। जिले में 42 मामलों में पर्यावरणीय मुआवजा लगाया गया है, जिसकी कुल राशि 2.15 लाख रुपए है। इसमें से 70 हजार रुपए की वसूली की गई है। इसके अलावा पटियाला में पराली जलाने के मामलों में 27 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जबकि 16 मामलों में राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है। जिले में 25 चेतावनी नोटिस भी जारी किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार पंजाब में धान का कुल रकबा 32.87096 लाख हेक्टेयर है, जिसमें से 5 नवंबर तक 87.60 प्रतिशत क्षेत्र में फसल की कटाई हो चुकी है। वहीं, राज्य में 786 चेतावनी नोटिस या कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। रिपोर्ट में 18 मामलों में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई शुरू होने का भी उल्लेख है। पीपीसीबी के इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए निरीक्षण, जुर्माना, एफआईआर और राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री जैसी कार्रवाई की जा रही है।

## उत्तराखंड चुनाव 2027 : 2022 में पौड़ी गढ़वाल की सभी सीटों पर भाजपा ने जमाया था कब्जा

**उत्तराखंड (एजेंसी)**

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। राजनीतिक दलों ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिए हैं। ऐसे में पौड़ी गढ़वाल जिले पर इस बार भाजपा, कांग्रेस समेत अन्य दलों की नजर होगी। 2022 में जिले की सभी छह सीटों, यमकेश्वर, पौड़ी (सुरक्षित), श्रीनगर, चौबट्टाखाल, लैंसडाउन और कोटद्वार, पर भाजपा का कब्जा था।

यमकेश्वर विधानसभा सीट पर 2002 से भाजपा का कब्जा है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार रेणु बिष्ट ने 10,410 वोटों से कांग्रेस प्रत्याशी शैलेन्द्र सिंह रावत को शिकस्त दी थी। रेणु बिष्ट को 28,390, शैलेन्द्र सिंह रावत को 17,980 और उत्तराखंड क्रांति दल उम्मीदवार शांति प्रसाद भट्ट को 613 वोट मिले थे। इस सीट पर 52.99 फीसदी मतदान हुआ था। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित पौड़ी विधानसभा सीट से लगातार दूसरी बार राजकुमारी पोरी भाजपा से विधायक हैं। 2022 चुनाव में भाजपा उम्मीदवार राजकुमारी पोरी ने कांग्रेस उम्मीदवार नवल किशोर को 5,738 वोटों से हराया था। राजकुमारी पोरी को 25,865, नवल किशोर को 20,127 और आप उम्मीदवार मनोहर लाल को 736 वोट मिले थे। इस विधानसभा क्षेत्र में कुल 49,174 लोगों (51.44 फीसदी) ने मतदान किया था। श्रीनगर विधानसभा सीट पर वर्तमान में भाजपा का कब्जा है और धन सिंह रावत दूसरी बार विधायक हैं। धन सिंह रावत ने विधानसभा चुनाव 2022 में कांग्रेस उम्मीदवार गणेश गोदियाल को मामूली अंतर यानी 587 वोटों से हराया था।

## सीएम साय ने स्वर्गीय विधायक श्री डोमन लाल कोर्सेवाड़ा को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

**ओपन सर्च. संवाददाता**



**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दुर्ग जिले के भिलाई-3 स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अहिवारा के दिवंगत विधायक स्वर्गीय श्री डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने अहिवारा स्थित शासकीय महाविद्यालय का नामकरण स्वर्गीय श्री डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के नाम पर करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय श्री कोर्सेवाड़ा का निधन छत्तीसगढ़ के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। वे एक सरल, सहज, मृदुभाषी और मिलनसार जनप्रतिनिधि थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज की सेवा और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। विशेष रूप से अनुसूचित जाति समाज के विकास, सामाजिक सशक्तीकरण और क्षेत्र की प्रगति में उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय श्री कोर्सेवाड़ा को लोग आत्मीयता के साथ 'गुरुजी' कहकर संबोधित करते थे। यह संबोधन उनके प्रति समाज के गहरे सम्मान और विश्वास का प्रतीक था।

उन्होंने अपने व्यवहार और कार्यों से लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाया था। जनसेवा के प्रति उनकी निष्ठा और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय श्री कोर्सेवाड़ा के साथ जुड़े आत्मीय प्रसंगों को साझा करते हुए बताया कि जब वे उपचार के लिए हैदराबाद में भर्ती थे, तब उन्होंने स्वयं फोन कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। साथ ही प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को भी हैदराबाद जाकर उनका हाल-चाल जानने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके स्वस्थ होकर लौटने की हम सभी को आशा थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। उनका जाना हम सभी के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय श्री कोर्सेवाड़ा ने जनप्रतिनिधि के रूप में सदैव क्षेत्र के विकास और आमजन की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी। उनकी स्मृतियों और जनसेवा की विरासत को चिरस्थायी बनाए रखने के लिए अहिवारा के शासकीय महाविद्यालय का नामकरण उनके नाम पर किया जाएगा। यह उनके प्रति प्रदेश सरकार और क्षेत्र की जनता की ओर से सम्मानपूर्ण श्रद्धांजलि होगी।

# राम-सरयू का आगमन हुआ है...': सूर्यकुमार यादव के परिवार से मिले प्रधानमंत्री, बच्ची से सुना भजन

**नई दिल्ली (एजेंसी)**





भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। सूर्यकुमार के साथ उनकी पत्नी देविशा और बेटी रिद्धिमा भी मौजूद रहीं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने सूर्यकुमार की बेटी रिद्धिमा को गोद में लेकर दुलार किया। पीएम मोदी ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। प्रधानमंत्री ने इसका वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- दीपावली के माहौल में राम और सरयू का आगमन हुआ है। इससे दीपावली का वातावरण और भी पावन एवं दिव्य हो गया है।

**प्रधानमंत्री ने भजन भी सुना**

यह मुलाकात प्रधानमंत्री के आवास पर हुई। इस दौरान परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने परिवार की एक बच्ची से भजन भी सुना और वह इसे सुनकर काफी खुश भी हुए। सूर्यकुमार यादव फिलहाल भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने टीम इंडिया के साथ पिछला मैच टी20 विश्वकप 2026 में खेला था। उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 विश्वकप का खिताब जीता था।

**सूर्यकुमार के लिए दरवाजा नहीं हुआ बंद**

हालांकि, खिताब के बाद सूर्यकुमार से न सिर्फ कप्तानी छीनी गई, बल्कि उन्हें टीम से बाहर किया गया। हालांकि, उनकी वापसी का दरवाजा बंद नहीं हुआ है। तब कहा गया था कि उन्हें खराब फॉर्म की वजह से बाहर किया गया। उन्हें घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने और वापसी करने को कहा गया।

**सूर्यकुमार ने भारत के लिए खेले कितने मैच?**

सूर्यकुमार ने भारत के लिए अब तक एक टेस्ट, 37 वनडे और 113 टी20 खेले हैं। 113 टी20 में इस पूर्व विश्व नंबर-एक बल्लेबाज के नाम 36.36 की औसत और 162.95 के स्ट्राइक रेट से 3272 रन हैं। इनमें 25 अर्धशतक और चार शतक शामिल हैं। इसके अलावा 37 वनडे में उन्होंने 25.77 की औसत से 773 रन बनाए। इनमें चार अर्धशतक शामिल हैं। एक टेस्ट में उनके नाम आठ रन हैं।

**बतौर कप्तान सूर्यकुमार का कैसा रिकॉर्ड?**

सूर्यकुमार ने 52 टी20 में टीम इंडिया की कप्तानी की। इसमें से भारत ने 40 टी20 जीते। आठ में भारत को हार का सामना करना पड़ा, जबकि दो मैच टाई रहे। दो मैचों का कोई नतीजा नहीं निकला। वह भारत के ऐसे कप्तान हैं, जिनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने कभी कोई द्विपक्षीय टी20 सीरीज नहीं गंवाई, न ही कभी कोई मल्टी टीम टूर्नामेंट गंवाई। उनको टीम से बाहर कर दिए जाने पर फैंस काफी नाराज हुए थे और इसका विरोध भी किया था।

**बतौर कप्तान बल्ले से निकले कितने रन?**

हालांकि, टीम इंडिया का कप्तान बनने के बाद सूर्यकुमार के बल्ले से उम्मीद के मुताबिक रन नहीं निकले। उन्होंने बतौर कप्तान 52 मैचों की 49 पारी में 28.65 की औसत और 154.96 के स्ट्राइक रेट से 1232 रन बनाए। इनमें एक शतक और आठ अर्धशतक शामिल हैं। बतौर भारतीय टी20 कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम दर्ज है। रोहित ने बतौर कप्तान 62 मैचों में 34.01 की औसत और 149.76 के स्ट्राइक रेट से 1905 रन बनाए। इनमें तीन शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने 50 मैचों की 46 पारियों में 47.57 की औसत और 140.55 के स्ट्राइक रेट से 1570 रन बनाए। इनमें 13 अर्धशतक शामिल हैं।

# दूसरे वनडे से पहले न्यूजीलैंड को लगा झटका : क्यों पूरी सीरीज से बाहर हुए डेवोन कॉनवे?

**वेलिंगटन (एजेंसी)**



भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे चोट के कारण बाकी बचे मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। कॉनवे को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगी थी और वह कन्कशन (सिर में चोट लगने के बाद मस्तिष्क पर असर) का शिकार हुए हैं। वहीं, तेज गेंदबाज मैट हेनरी को दूसरे वनडे के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। दोनों खिलाड़ी भारत के खिलाफ सीरीज के पहले मुकाबले में भी नहीं खेल पाए थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

**अभ्यास के दौरान आपस में टकराए थे कॉनवे और हेनरी**

भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को ऑकलैंड में खेले गए पहले वनडे से एक दिन पहले दोनों खिलाड़ी अभ्यास के दौरान फील्डिंग कर रहे थे। इसी दौरान कॉनवे और हेनरी आपस में टकरा गए थे। इसके बाद दोनों को पहले वनडे से बाहर रहना पड़ा। जांच के बाद कॉनवे को कन्कशन की पुष्टि हुई और उन्हें पूरी वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया। दूसरी ओर, हेनरी को कन्कशन नहीं होने की पुष्टि के बाद दूसरे वनडे के लिए चयन के लिए उपलब्ध घोषित किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, 'डेवोन कॉनवे मंगलवार को अभ्यास के दौरान फील्डिंग करते हुए कन्कशन का शिकार हुए थे। इसके कारण वह भारत के खिलाफ बाकी बचे वनडे मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज निक केली, जिन्हें चौथे और पांचवें वनडे के लिए चुना गया था, कॉनवे की जगह टीम से जुड़ेंगे।'

**निक केली को मिला मौका, डेल फिलिप्स न्यूजीलैंड ए में शामिल**

कॉनवे की जगह निक केली को न्यूजीलैंड की वनडे टीम में शामिल किया गया है। उन्हें शुरुआत में केवल सीरीज के चौथे और पांचवें मुकाबले के लिए चुना गया था, लेकिन अब वह दूसरे वनडे से ही टीम के साथ जुड़ जाएंगे। इस बदलाव का असर न्यूजीलैंड ए की टीम पर भी पड़ा है।

केली को भारत ए के खिलाफ शनिवार को लिंकन में होने वाले अनौपचारिक टेस्ट सीरीज के तीसरे मुकाबले से हटाया गया है। उनकी जगह ऑकलैंड के बल्लेबाज डेल फिलिप्स को न्यूजीलैंड ए की टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने बयान में आगे कहा, 'कॉनवे के साथ फील्डिंग अभ्यास के दौरान टकराने वाले मैट हेनरी को कन्कशन नहीं होने की पुष्टि हुई है। ऑकलैंड एसेस के बल्लेबाज डेल फिलिप्स शनिवार से शुरू होने वाले भारत ए के खिलाफ आखिरी चार दिवसीय मुकाबले के लिए न्यूजीलैंड ए टीम में केली की जगह लेंगे।' भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज का आगाज जीत के साथ किया था। बुधवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क में बारिश से प्रभावित मुकाबले में भारत ने डकवर्थ लुईस (डीएलएस) पद्धति से पांच विकेट से जीत दर्ज की थी।

# क्रिस लिन का एक महीने का निलंबन पूरा, बीबीएल में खेलने को तैयार



**नई दिल्ली (एजेंसी)**

ऑस्ट्रेलिया के टी20 विशेषज्ञ क्रिस लिन को कोकीन लेने के मामले में एक महीने का बैन झेलना पड़ा है। इंग्लैंड के क्रिकेट रेगुलेटर ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। बैन की अवधि अब पूरी हो चुकी है। बिग बैश लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लिन का 18 जुलाई को इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के दौरान रूटीन एंटी-डोपिंग टेस्ट हुआ था।

उस समय वह नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स की ओर से खेल रहे थे। टेस्ट में उनका सैंपल पॉजिटिव पाया गया था। क्रिकेट रेगुलेटर ने बयान में कहा, क्रिकेट रेगुलेटर ने नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स के पूर्व क्रिकेटर क्रिस लिन को एक महीने के लिए निलंबित किया गया है। निलंबन का समय अब पूरा हो गया है। 36 साल के लिन का कोकीन के मेटाबोलाइट बेंजॉयलेगोनिन के कम लेवल के लिए टेस्ट पॉजिटिव आया था। उन्होंने आरोप स्वीकार कर लिया। जांच में यह माना गया कि यह कॉम्पिटिशन के बाहर इस्तेमाल का मामला था और इसका खेल के प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं था। इसी वजह से उनका बैन तीन महीने की जगह 1 महीने का था। लिन ने इसके साथ ही नशे की लत से जुड़ा रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम भी पूरा कर लिया है। दाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 18 टी20 और 4 वनडे मैच खेले हैं।

वह बिग बैश लीग के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के मुताबिक, लिन अगले महीने शुरू होने वाली बिग बैश लीग के नए सीजन के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स में शामिल होने के लिए तैयार थे।

# माइकल हसी को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में मिली बड़ी जिम्मेदारी, टी20 फॉर्मेट पर होगा फोकस

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी को 2027 एशेज और वनडे विश्व कप के लिए कोचिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया है। इसके अलावा, हसी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टी20 सलाहकार बनाया है। हसी ने पिछले कुछ सालों में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के साथ कभी-कभी काम किया है।

खासकर वह प्रतिवर्ष पर्थ टेस्ट से पहले एक अतिरिक्त बैटिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ जुड़ते हैं। वह अपनी कमेंट्री भूमिकाओं और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और द हंड्रेड में वेल्श फायर की कोचिंग टीम का हिस्सा होने की वजह से ऑस्ट्रेलिया के लिए बतौर कोच लंबा समय नहीं दे सके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सीएसके में हसी के साथ काम करने वाले स्टीफन फ्लेमिंग जब न्यूजीलैंड टेस्ट टीम के हेड कोच बने, तो उन्होंने हसी को अपनी कोचिंग टीम के साथ जुड़ने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इस प्रस्ताव को इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने स्वीकार नहीं किया था। हसी कोचिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना कार्य इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से शुरू करेंगे। इसके बाद पर्थ में न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज की तैयारी में ऑस्ट्रेलिया की मदद करेंगे।

इस मौके पर माइकल हसी ने कहा, मैं आने वाले वर्षों में टीम के लिए ज्यादा आधिकारिक और अर्थपूर्ण रोल निभाने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। इस टीम ने पिछले कुछ समय में बहुत कुछ हासिल किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं इस रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय से पहले कोचिंग और प्लेइंग ग्रुप्स का मूल्य बढ़ा पाऊंगा। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच मैकडोनाल्ड ने कहा, माइक पहले भी हमारे स्टाफ का एक बहुत अहम हिस्सा रहे हैं और उनके पास काफी स्किल सेट है जो कोच और खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है। एक खिलाड़ी और कोच के तौर पर कई फॉर्मेट, कॉम्पिटिशन, देशों में उनकी विशेषज्ञता ही नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर उनकी क्षमता भी बहुत कीमती है। हसी का मुख्य फोकस टी20 पर होगा। वह 2022 में टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। मैकडोनाल्ड इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से आराम करने वाले हैं। उनकी जगह मुख्य कोच की जिम्मेदारी आंद्रे बोरोवेक संभालेंगे। हसी, बोरोवेक के साथ इंग्लैंड के खिलाफ एक युवा ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अपनी कंसल्टेंसी शुरू करेंगे।

# ओलंपिक मार्सिले ने बायर लेवरकुसेन को 1-0 से हराया

**बर्लिन (एजेंसी)**



अमीन गौरी के दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से ओलंपिक मार्सिले ने गुरुवार को यूईएफए यूरोपा लीग में बायर लेवरकुसेन पर 1-0 से जीत हासिल की। मेहमान टीम ने बेएरिना में बेहतर शुरुआत की। गौरी ने पेनल्टी एरिया के अंदर एक लंबे पास को नियंत्रित करने और अपने मार्कर से बचने के बाद शुरुआती मौका गंवा दिया, लेकिन गोलकीपर मार्क फ्लेकेन ने उसे रोक दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों में से किसी ने भी लगातार आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं किया। मेजबान टीम 42वें मिनट में गोल करने के सबसे करीब पहुंची जब मिगुएल गुटिरेज का डिफ्लेक्टेड शॉट क्रॉसबार से टकराया।

इसके बाद हाफटाइम से पहले जेरेल क्वांसाह का शॉट थोड़ा वाइड चला गया। लेवरकुसेन ने और ज्यादा आक्रामक खेलना शुरू किया, लेकिन पैट्रिक शिक ने 54वें मिनट में एक शॉट बार के ऊपर से मार दिया। मार्सिले ने इगोर पैक्साओ के जरिए जवाब दिया, जिनका लॉन्ग-रेंज शॉट टारगेट से थोड़ा चूक गया। इसके बाद जेफ्री कोंडोगबिया ने दूर से शॉट मारा, जो थोड़ा बाहर चला गया। 77वें मिनट में अहम पल आया जब लेवरकुसेन ने हाफवे लाइन के पास बॉल पर नियंत्रण खो दिया। गौरी ने जगह बनाई, एडमंड टैप्सोबा के अंदर कट किया और फ्लेकेन के पार दूर कोने में एक सटीक शॉट मारा। मेजबान टीम ने कई सेट पीस के जरिए दबाव बनाना जारी रखा, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर पाई।

# आईपीएल : किन दो विदेशी खिलाड़ियों को खरीदना चाहते हैं कोच गांगुली? दिल्ली कैपिटल्स ने बनाया ये प्लान

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2027 मिनी ऑक्शन के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। टीम के नवनियुक्त मुख्य कोच सौरव गांगुली ने उन दो विदेशी खिलाड़ियों के नाम बताए हैं, जिन्हें फ्रेंचाइजी आगामी नीलामी में खरीदना चाहती है। इनमें ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क और वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज शाई होप शामिल हैं। गांगुली के इस खुलासे से संकेत मिले हैं कि दिल्ली अपनी बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए इन दोनों खिलाड़ियों पर दांव लगा सकती है। सौरव गांगुली ने कहा, 'हमारी नजर दो विदेशी खिलाड़ियों पर है। हम ऑस्ट्रेलिया के फ्रेजर मैकगर्क और वेस्टइंडीज के शाई होप को टीम में लाना चाहते हैं।' आईपीएल 2027 का मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को गोवा में आयोजित होने की खबर है। वहीं, सभी फ्रेंचाइजी को अपनी रिटेंशन और रिलीज सूची 17 नवंबर तक सौंपनी है।

**दिल्ली के लिए खेल चुके हैं मैकगर्क और शाई होप**

फ्रेजर मैकगर्क ने 2024 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से आईपीएल में डेब्यू किया था। उन्हें रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में टीम में शामिल किया गया था। इसके बाद अगले ऑक्शन में दिल्ली ने राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का इस्तेमाल करके उन्हें अपने साथ बरकरार रखा था। फ्रेंचाइजी ने इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज के लिए नौ करोड़ रुपये खर्च किए थे। मैकगर्क ने अब तक 15 आईपीएल मुकाबले खेले हैं। इनमें उन्होंने 25.67 की औसत और 199.49 के स्ट्राइक रेट से 385 रन बनाए हैं। वहीं, शाई होप को दिल्ली ने आईपीएल 2024 के लिए 75 लाख रुपये में खरीदा था। हालांकि, एक सत्र के बाद ही फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिलीज कर दिया था। अब गांगुली उन्हें दोबारा टीम में शामिल करना चाहते हैं।

**कोचिंग स्टाफ से लेकर खिलाड़ियों तक, दिल्ली में बड़े बदलाव**

दिल्ली कैपिटल्स में इस बार कई बड़े बदलाव हुए हैं। सौरव गांगुली को मुख्य कोच बनाया गया है। वहीं, पूर्व भारतीय लेग स्पिनर अमित मिश्रा को स्पिन गेंदबाजी कोच और युवराज सिंह को सहायक कोच एवं बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ट्रेड विंडो में भी दिल्ली काफी सक्रिय रही है। टीम ने तेज गेंदबाज टी नटराजन को सनराइजर्स हैदराबाद के साथ ट्रेड किया और बदले में लेग स्पिनर जीशान अंसारी को शामिल किया। इससे पहले दिल्ली ने कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ ट्रेड किया था और ऋषभ पंत को वापस टीम में शामिल किया था।

# कोलकाता नाइटराइडर्स के पूर्व क्रिकेटर पर गिरी गाज! : प्रतिबंधित नशीले पदार्थ के सेवन के मामले में फंसे

**सिडनी (एजेंसी)**



ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज और कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व खिलाड़ी क्रिस लिन को कोकीन सेवन के मामले में एक महीने के लिए निलंबित किया गया है। इंग्लैंड के क्रिकेट नियामक ने शुक्रवार को इस मामले का खुलासा किया।

बिग बैश लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लिन नियमित डोपिंग जांच में पॉजिटिव पाए गए थे। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोप को स्वीकार भी कर लिया है। हालांकि, पुनर्वास कार्यक्रम पूरा करने के बाद उनके प्रतिबंध की अवधि तीन महीने से घटाकर एक महीने कर दी गई।

**टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के दौरान हुए थे टेस्ट**

36 वर्षीय क्रिस लिन उस समय इंग्लैंड में नॉर्थम्पटनशायर की ओर से खेल रहे थे। 18 जुलाई को टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के दौरान उनकी नियमित डोपिंग जांच की गई थी। इस जांच में उनके नमूने में बेंजोइलएक्गोनिन की कम मात्रा पाई गई। यह कोकीन के सेवन के बाद शरीर में बनने वाला मेटाबोलाइट है। इंग्लैंड के क्रिकेट नियामक ने शुक्रवार को इस मामले की जानकारी सार्वजनिक की। नियामक ने अपने बयान में कहा, 'क्रिकेट नियामक ने नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स के पूर्व क्रिकेटर क्रिस लिन पर एक महीने का निलंबन लगाया है। निलंबन की अवधि अब पूरी हो चुकी है।' लिन ने अपने ऊपर लगे आरोप को स्वीकार कर लिया था। इसके बाद उन्होंने नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से जुड़े पुनर्वास कार्यक्रम में हिस्सा लिया और उसे पूरा किया।

**तीन महीने का प्रतिबंध घटाकर एक महीने किया गया**

शुरुआत में लिन पर तीन महीने का प्रतिबंध लगाया गया था। हालांकि, उनके पुनर्वास कार्यक्रम पूरा करने और मामले की परिस्थितियों को देखते हुए यह अवधि घटाकर एक महीने कर दी गई। क्रिकेट नियामक ने इस मामले में माना कि कोकीन का सेवन प्रतियोगिता से बाहर (आउट ऑफ कॉम्पिटिशन) किया गया था और इसका खेल प्रदर्शन से कोई संबंध नहीं था। इसी आधार पर उनकी सजा में राहत दी गई। लिन का एक महीने का प्रतिबंध अब पूरा हो चुका है। क्रिस लिन ऑस्ट्रेलिया के टी20 विशेषज्ञ बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय और चार वनडे मुकाबले खेले हैं।

आईपीएल में भी उनका अच्छा अनुभव रहा है। वह डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस जैसी टीमों का हिस्सा रह चुके हैं। लिन का आईपीएल में आखिरी मुकाबला 2021 में आया था। तब वह मुंबई इंडियंस की ओर से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले थे।

# चार्ल्स लेक्लर्क से आमने-सामने बात करना चाहते हैं लुईस हैमिल्टन

**साओ पाउलो (एजेंसी)**



फेरारी ड्राइवर लुईस हैमिल्टन साओ पाउलो ग्रैंड प्रिक्स से पहले टीम के साथी चार्ल्स लेक्लर्क से आमने-सामने बात करना चाहते हैं। मेक्सिको में टीम के अंदर हुई लड़ाई के कारण फेरारी को पक्की 1-2 जीत से हाथ धोना पड़ा था। हैमिल्टन ने मेक्सिको सिटी ग्रैंड प्रिक्स में पोल पोजीशन से शुरुआत की थी। लेकिन पहले ही लैप में लेक्लर्क के साथ हुई टक्कर में उन्होंने अपनी जगह खो दी। लेक्लर्क को ट्रैक काटने के लिए टाइम पेनल्टी मिली, जबकि हैमिल्टन ग्रिड पर मैक्स वर्स्टैपेन से भी पिछड़ गए। नतीजा यह हुआ कि फेरारी को जीत मिलने के बजाय हार का सामना करना पड़ा। ब्राजीलियन जीपी से पहले हैमिल्टन ने कहा, लेक्लर्क के साथ टीम की बातचीत अभी नहीं हो पाई है। वह अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण घर वापस चले गए थे। अब वह साओ पाउलो में उनसे सीधे बात करना चाहते हैं। हैमिल्टन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि एक मीटिंग में सब कुछ खत्म हो जाएगा और सुलझ जाएगा, लेकिन यह जरूरी है। हम अभी जो बनाएंगे, वह हमें अगले साल के लिए सही स्थिति में रखेगा। कुछ मायनों में मुझे खुशी है कि हमें वह अनुभव मिला। बेशक, मैं चाहूंगा कि हम जीतें और 1-2 का स्कोर करें, लेकिन इससे आप सीख सकते हैं और हम और भी मजबूत हो सकते हैं। मेक्सिको की घटना के बाद हैमिल्टन ने फेरारी के साथ गंभीर बातचीत की मांग की थी। उन्होंने कहा था, चार्ल्स के साथ जो हुआ, उसके बारे में मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। आप देख सकते हैं कि क्या हुआ और हम क्यों हार गए। ड्राइवर्स ब्रीफिंग में हमने चर्चा की थी कि टर्न 1 पर उतरते ही आपको अपनी पोजीशन वापस देनी होगी। पिछले साल मुझे उसी मूव के लिए 10 सेकंड की पेनल्टी मिली थी जो उसने किया था। आखिरकार, आज हम इसी वजह से जीत हार गए। हमें पर्दे के पीछे जरूर कुछ गंभीर बातचीत करनी होगी। हैमिल्टन ने कहा, टीम में ऊर्जा सच में बहुत अच्छी है। मुझे लगता है कि वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हमने पिछली कुछ रेस में बहुत अच्छा काम किया है, किसी से भी ज्यादा पॉइंट बनाए हैं। हमने सच में अपना स्तर बढ़ाया है। कुछ बदलावों के साथ हमारा एग्जिक्यूशन बेहतर रहा है। इसके लिए हम काम कर रहे थे। मैं यह देखकर बहुत खुश हूं। हमें पिछली रेस में 1-2 से हारना नहीं चाहिए था। हमें यह पक्का करने के लिए काम करना होगा कि ऐसा फिर कभी न हो।

# 76वीं सीनियर जिला बास्केटबॉल चैंपियनशिप में लालगढ़ अकादमी और बॉल ब्रदर्स की शानदार जीत

**श्रीगंगानगर (एजेंसी)**



जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन एवं बॉल ब्रदर्स बास्केटबॉल अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में ब्यानी चिल्ड्रन अकादमी स्कूल श्रीगंगानगर में आयोजित 76वीं सीनियर जिला बास्केटबॉल चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। प्रतियोगिता के दौरान कल आयोजित मैचों में मुख्य अतिथि के रूप में संजीव सारण उपस्थित रहे, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी उदय सारण के पिता एवं लेवल-1 क्रिकेट कोच हैं। उनके साथ श्रीगंगानगर की जानी-मानी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शगुन मेहरा ने भी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। आयोजकों द्वारा दोनों अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस प्रतियोगिता के आयोजन में जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के सचिव कृष्ण विष्णोई एवं बॉल ब्रदर्स बास्केटबॉल अकादमी के अध्यक्ष सुधीर जाखड़ का विशेष एवं महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दोनों की सकारात्मक सोच और खेल के प्रति समर्पण से इस प्रतियोगिता का आयोजन संभव हो पाया है। उनका उद्देश्य जिले के युवा खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करना, उनकी खेल प्रतिभा को निखारना तथा उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध करवाना है।

# बॉलीवुड की अभिनेत्री राइमा सेन ने महल छोड़कर चुनी फिल्मों की दुनिया



फिल्म दुनिया में अपनी पहचान बनाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है, लेकिन जब कोई शाही परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद अभिनय की राह चुनता है, तो उनकी कहानी और भी ज्यादा दिलचस्प हो जाती है। अभिनेत्री राइमा सेन भी शाही परिवार से आती हैं, जिनका नाता राजघराने से रहा है। शाही परिवार से पली-बढ़ी राइमा ने ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने का फैसला किया। 7 नवंबर 1979 को मुंबई में जन्मी अभिनेत्री राइमा सेन शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता भरत देव वर्मा त्रिपुरा के शाही परिवार के सदस्य हैं। उनकी दादी, इला देवी, कूच बिहार की राजकुमारी थीं और उनकी छोटी बहन गायत्री देवी जयपुर की महारानी थीं। वहीं, अभिनेत्री की मां मुनमुन सेन जानी-मानी अभिनेत्री हैं और उनकी नानी सुचित्रा सेन बंगाली सिनेमा की महान नायिका (महानायिका) मानी जाती थीं। घर में नानी और मां के अभिनय से जुड़े होने के कारण उन्हें अभिनय की दुनिया विरासत में मिली। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1999 में आई फिल्म 'गॉडमदर' से की थी, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। इसके बाद वे फिल्म 'दमन' में नजर आईं। बंगाली सिनेमा में रितुपर्णो घोष की फिल्म 'चोखेर बाली' में ऐश्वर्या राय के साथ उनके काम की बहुत सराहना हुई थी। इसके अलावा वह प्रमुख बंगाली फिल्मों 'बैशे श्राबोन', 'नौका डूबी', 'हृद मझारे' और 'माछ मिष्टी एंड मोर' में नजर आई थीं। उन्होंने साल 2005 में विद्या बालन के साथ फिल्म 'परिणीता' में काम किया, जिससे उन्हें हिंदी सिनेमा में भी बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान और विद्या बालन के साथ काम किया था। साल 2011 में अभिनेत्री 'बैशे श्राबोन' में नजर आई थीं। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के साथ-साथ राइमा सेन के काम की भी सराहना हुई थी। उन्होंने 'द जापानी वाइफ', 'हनीमून ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'द वैक्सीन वॉर' और 'मिस्ट्री चेज़' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। **(एजेंसी)**

# एक्टिंग के साथ कविता भी लिखती हैं भाग्यश्री बोरसे, पहली बार बताया अपना सीक्रेट

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे इन दिनों आगामी फिल्म 'ऑपरेशन गंगा' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने बताया है कि वो एक कवयित्री भी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर लिखा, 'तो, अब राज खोलने का समय आ गया है। वो सीक्रेट जो मैं आप लोगों से छिपा रही थी। मुझे लगता है, अब इसे बता देने का समय आ गया है?' उन्होंने आगे लिखा, 'मेरे जीवन का एक छोटा-सा हिस्सा, जिसे मैं हमेशा अपने लिए लिखती हूं, वो है मेरी कविता। हां, मैं कविता लिखती हूं और अपने दोस्तों के बीच गर्व से खुद को कवयित्री कहती हूं। यह मेरे जीवन का वो हिस्सा है, जिसे मैंने जिंदगी के मुश्किल समय में खुद ही खोजा, जहां लिखने से मुझे सुकून मिलता था, ज्यादा समझ आती थी और जिंदगी की खूबसूरती नजर आती थी। एक्ट्रेस ने पोस्ट में यह भी बताया कि उन्होंने इसे पहले कभी क्यों नहीं बताया। उन्होंने लिखा, 'अब आप कहेंगे, क्यों नहीं शेयर करतीं? शायद करुंगी, शायद नहीं। बस इतना है कि मेरी जिंदगी की हर चीज यहां तारीफ या आलोचना के लिए सामने है और ये बिल्कुल ठीक है क्योंकि इससे मुझे आगे बढ़ने में मदद मिलती है, लेकिन कविता? मैं इसे



लिखते हुए बस बहना चाहती हूं। दुनिया को भूलकर अपने दिल की सुनना चाहती हूं। शायद यही वो हिस्सा है, जो मुझे याद दिलाता है कि मैं कौन हूं। अपनी पोस्ट को खत्म करते हुए उन्होंने लिखा, तो शायद, किसी दिन, ये कवयित्री अपना एक हिस्सा दुनिया के सामने रखेगी। शायद किसी दिन, मैं आपको वो शब्द पढ़ने दूंगी, जो मैंने कभी जोर से कहे नहीं। तब तक, ये छोटी सी कवयित्री आपसे एक वादा मांगती है, खुद के साथ और दूसरों के साथ भी दयालु और नरम रहें, क्योंकि जिंदगी ही सच बने रहने के बारे में है। अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे जल्द ही फिल्म 'ऑपरेशन गंगा' में नजर आएंगी। इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर विष्णु मोहन ने डायरेक्ट किया है, जो ब्लॉकबस्टर 'मेप्पाडियन' को डायरेक्ट करने के लिए जाने जाते हैं। 'ऑपरेशन गंगा' एक सरवाइवल थ्रिलर ड्रामा होगी, जिसमें मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल के अलावा बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल, भाग्यश्री बोरसे, पार्थिबन और आदिल हुसैन भी होंगे। फिल्म की शूटिंग इस समय जॉर्जिया में चल रही है और यह मोहनलाल के करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। **(एजेंसी)**

# योग क्लास में डायरेक्टर की पड़ी नजर, फिर ऐसे बदल गई अनुष्का शेट्टी की किस्मत



चमक-धमक और चकाचौंध से भरी फिल्म इंडस्ट्री में हर कोई अपनी एक अलग पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रहा है। सिनेमा की दुनिया में कुछ ऐसे भी सितारे रहे हैं, जिन्होंने सिनेमा की दुनिया में आने का सपना नहीं देखा था, लेकिन किस्मत उन्हें इस मुकाम तक ले आई। ऐसी ही कहानी साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी की है। वह कभी फिल्मों में काम नहीं करना चाहती थीं, लेकिन एक इत्तेफाक ने उनकी जिंदगी की राह बदल दी। 7 नवंबर, 1981 को मैंगलुरु, कर्नाटक में जन्मीं अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी ने बेंगलुरु के माउंट कार्मेल कॉलेज से बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन की डिग्री प्राप्त की थी। अभिनेत्री योग विशेषज्ञ बनना चाहती थीं, जिस वजह से उन्होंने योग गुरु भरत ठाकुर से योग सीखा और फिर खुद योग इंस्ट्रक्टर बन गईं। एक दिन योग क्लास में साउथ फिल्म डायरेक्टर मेहर रमेश की उन पर नज़र पड़ी। उन्होंने अनुष्का को हीरोइन बनने का ऑफर दिया। बिना फिल्मी बैकग्राउंड और अभिनय की कोई जानकारी न होने की वजह से अनुष्का ने यह रोल ठुकरा दिया था। बाद में डायरेक्टर के काफी समझाने के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। उनकी पहली फिल्म 2005 में आई 'सुपर' थी, जिसे पुरी जगन्नाथ ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में उन्होंने अभिनेता नागार्जुन के साथ काम किया था। गौरतलब है कि अभिनेत्री का नाम कभी अनुष्का नहीं था, बल्कि असल में उनका नाम स्वीटी शेट्टी था, लेकिन फिल्म की शूटिंग के दौरान पुरी जगन्नाथ और प्रोड्यूसर नागार्जुन को लगा कि स्वीटी नाम दर्शकों को ज्यादा पसंद नहीं आएगा, जिस वजह से उन्होंने अभिनेत्री का नाम बदलने का फैसला किया और काफी सोचने के बाद अनुष्का नाम फाइनल हुआ। स्वीटी के बजाय एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी के नाम से पहचानी जाने लगीं। इसी साल अनुष्का की फिल्म महानंदी रिलीज हुई। ये दो फिल्में करने के बाद अनुष्का एक्टिंग छोड़ना चाहती थीं। इस बात का खुलासा अभिनेत्री ने खुद एक इंटरव्यू में किया था। इसके बाद अभिनेत्री ने साल 2006 में एस. एस. राजामौली की फिल्म 'विक्रमार्कुडु' में काम किया, जिससे उन्हें तेलुगू सिनेमा में पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'डॉन', 'किंग', 'शौर्यम' और 'बिल्ला' समेत कई बेहतरीन फिल्मों में काम कर लोकप्रियता हासिल की। 2015 में आई 'बाहुबली: द बिगनिंग' और 2017 में आई 'बाहुबली: द कंक्लूजन' ने उनकी किस्मत बदल दी। **(एजेंसी)**



## मनीष मल्होत्रा की दीपावली पार्टी में छाईं अनन्या पांडे, रानी मुखर्जी का 'शावा शावा' लुक किया रीक्रिएट

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने गुरुवार को डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की दीपावली पार्टी में रानी मुखर्जी के मशहूर गाने 'शावा शावा' वाले लुक को रीक्रिएट करके बॉलीवुड की पुरानी यादें ताजा कर दीं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट पर कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए, जिनमें उनका शानदार फेस्टिव लुक नजर आ रहा है। चमकदार सिल्वर-सफेद कपड़ों में सजी अनन्या, 2001 की फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' के मशहूर गाने 'शावा शावा' में रानी मुखर्जी के लुक जैसी लग रही थीं। अपनी एक इंस्टाग्राम स्टोरी में अनन्या ने 'शावा शावा' गाने से रानी मुखर्जी की एक तस्वीर और अपनी तस्वीर का कोलाज शेयर किया। उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें वह रानी के अंदाज में इस गाने के मशहूर हुक स्टेप पर डांस करती नजर आ रही हैं। अनन्या की ड्रेस में भारी काम वाला ब्रालेट-स्टाइल ब्लाउज और उसी से मिलती-जुलती सीक्वेंस वाली स्कर्ट शामिल थे। इसके साथ उन्होंने एक पारदर्शी दुपट्टा ओढ़ा और शानदार ज्वेलरी पहनी थी। अभिनेत्री ने एक अन्य सोशल मीडिया स्टोरी शेयर की, जिसमें वह इस ड्रेस में पोज देती दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, आज रात का मूड। आदेश श्रीवास्तव द्वारा कंपोज किए गए और आदेश श्रीवास्तव, सुदेश भोसले, अलका याग्निक, उदित नारायण, सोनू निगम और अमिताभ बच्चन द्वारा गाए गए गाने 'शावा शावा' को आज भी 'कभी खुशी कभी गम' के सबसे यादगार गानों में से एक माना जाता है। इस गाने में फिल्म की स्टार कास्ट के कई कलाकार शामिल थे, जिनमें अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, शाहरुख खान, काजोल, ऋतिक रोशन और करीना कपूर खान शामिल हैं। **(एजेंसी)**

# धनतेरस पर वाहन बिक्री को लेकर डीलर उत्साहित, इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति बनी चुनौती

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

धनतेरस पर वाहन बिक्री में तेजी की उम्मीद है। दोपहिया, यात्री और वाणिज्यिक वाहनों की मांग मजबूत बनी हुई है, हालांकि इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति में कमी कुछ श्रेणियों में डिलीवरी को प्रभावित कर सकती है। वाहन उद्योग निकाय फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि कुल मिलाकर बाजार की धारणा सकारात्मक है और वाहनों की सभी श्रेणियों में मांग मजबूत बनी हुई है।

उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर मांग मजबूत है। दोपहिया, चारपहिया और वाणिज्यिक वाहन, सभी श्रेणियों को मिलाकर देखें तो कारोबार अच्छा चल रहा है। हालांकि, इलेक्ट्रिक वाहनों में, चाहे वे दोपहिया हों या चारपहिया,



आपूर्ति में कुछ बाधाएं दिख सकती हैं।' उद्योग निकाय ने कहा कि छह नवंबर को धनतेरस और आठ नवंबर को दिवाली होने से इस महीने में खुदरा बिक्री का एक बड़ा अवसर आया है। त्योहारों के दौरान अब तक वाहनों के पंजीकरण का रुझान उत्साहजनक रहा है। वाहन क्षेत्र ने नवंबर की शुरुआत आशावाद के साथ की है। फाडा के ऑनलाइन सदस्यों के सर्वेक्षण के अनुसार, 51 प्रतिशत से अधिक प्रतिभागियों को इस महीने बिक्री बढ़ने की उम्मीद है, जबकि 35 प्रतिशत ने बिक्री स्थिर रहने और 14 प्रतिशत ने इसमें गिरावट आने का अनुमान जताया है।

पुरानी कारों के बाजार में भी त्योहारों के दौरान मांग मजबूत बनी हुई है और धनतेरस पर इसके और बढ़ने की उम्मीद है। पुरानी कारों के कई विक्रेताओं ने कहा कि मांग आपूर्ति से अधिक है। कार्स24 के भारत में मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) शिवांशु मक्कर ने कहा, 'कार्स24 ने नवरात्र के पहले दिन ही 750 कार की डिलीवरी की। इस दौरान सालाना आधार पर 58 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और बिक्री की मात्रा सामान्य रविवार की तुलना में करीब पांच गुना रही।' उन्होंने कहा कि कंपनी को धनतेरस पर मांग और बढ़ने की उम्मीद है। इस दिन परंपरागत रूप से वाहनों की डिलीवरी में तेज वृद्धि होती है।

उन्होंने कहा कि पुरानी कारों के बाजार में धनतेरस पर डिलीवरी सामान्य दिनों की तुलना में तीन से चार गुना तक हो सकती है। फाडा के गिरिधर ने इस साल धनतेरस की बिक्री की तुलना पिछले साल से करने को लेकर आगाह किया। पिछले साल धनतेरस 18 अक्टूबर को पड़ा था और उस समय माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती लागू होने के बाद दबी हुई मांग के बाजार में आने से खरीदारी को समर्थन मिला था।

# NCLT ने वीडियोकॉन के वेणुगोपाल धूत को दिवालिया घोषित किया, एसबीआई 12,668 करोड़ रुपए की करेगा वसूली

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज के पूर्व प्रमोटर वेणुगोपाल नंदलाल धूत को दिवालिया घोषित कर दिया है। ट्रिब्यूनल ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें वीडियोकॉन समूह की कंपनियों को दिए गए लोन के लिए दी गई व्यक्तिगत गारंटी के एवज में 12,668 करोड़ रुपए से अधिक की बकाया राशि वसूलने की मांग की गई थी।

ट्रिब्यूनल की मुंबई बेंच ने इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड की धारा 123 के तहत एसबीआई की याचिका को स्वीकार कर लिया है। इससे धूत के खिलाफ एक पर्सनल गारंटर के तौर पर दिवालियापन की कार्यवाही शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। यह आदेश तब आया है, जब लेनदारों द्वारा भुगतान योजना को खारिज कर दिए जाने के बाद धूत की पर्सनल इनसॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रक्रिया विफल हो गई। ट्रिब्यूनल ने इनसॉल्वेंसी प्रोफेशनल आशीष नारायण को बैंकरप्सी ट्रस्टी नियुक्त किया है। साथ ही, यह निर्देश दिया है कि धूत की संपत्ति उनके हवाले कर दी जाए, ताकि वे इसका प्रबंधन कर सकें और लेनदारों के बीच इसका वितरण कर सकें। एसबीआई के अनुसार, 30 सितंबर तक धूत पर कुल 12,668.06 करोड़ रुपए की देनदारी थी, जिसमें ब्याज और जुर्माना भी शामिल है। यह बकाया राशि उन पर्सनल गारंटियों से जुड़ी है, जो धूत ने वीडियोकॉन ग्रुप की कंपनियों को दिए गए टर्म लोन, वर्किंग कैपिटल सुविधाओं और अन्य कर्जों के लिए दी थीं, जिसमें वीडियोकॉन टेलीकम्युनिकेशंस लिमिटेड भी शामिल है।

# धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदने वालों की मौज, गोल्ड-सिल्वर के दाम 4,500 रुपए तक गिरे

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

धनतेरस के मौके पर सोना-चांदी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए राहत भरी खबर है। आज के दिन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। पिछले कुछ दिनों से सोने-चांदी में तेज उतार-चढ़ाव बना हुआ था, लेकिन हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को कीमतों में आई नरमी से खरीदारों को अपेक्षाकृत सस्ते भाव पर खरीदारी का मौका मिला है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले



बंद भाव 1,44,095 रुपए से शुक्रवार को 1,934 रुपए यानी 1.34 प्रतिशत टूटकर 1,42,161 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं दिन के कारोबार में यह 2,651 रुपए यानी 1.83 प्रतिशत तक गिर गया।

वहीं चांदी की कीमतों में कमजोरी और ज्यादा रही। शुरुआती कारोबार में दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद भाव 1,87,140 रुपए से 4,555 रुपए यानी 2.43 प्रतिशत फिसलकर 1,82,585 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर तक पहुंच गई। जबकि यह आज 1,641 रुपए यानी 0.87 प्रतिशत गिरकर 1,85,499 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में भी गुरुवार की तेजी के बाद शुक्रवार को मुनाफावसूली देखने को मिली। सोने का भाव 1.51 प्रतिशत गिरकर 4,051.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखाई दिया, जबकि चांदी 2.13 प्रतिशत टूटकर 51.260 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

# AI रेगुलेशन के डर से ग्लोबल मार्केट में गिरावट, एशिया में टेक शेयर धड़ाम

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

एआई के कड़े नियमन के डर और एआई से जुड़े खर्चों में संभावित कमी की आशंका से शुक्रवार को एशियाई बाजारों में भारी गिरावट आई। वॉल स्ट्रीट में भारी नुकसान के बाद टेक्नोलॉजी शेयरों में तेज बिकवाली शुरू हो गई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 8 प्रतिशत से ज्यादा गिर गया, जिससे ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। बाजार दोबारा खुलने के बाद इसमें थोड़ी रिकवरी आई।

इसी तरह, जापान का निक्केई भी करीब 6 प्रतिशत टूट गया। जबकि ताइवान का बेंचमार्क इंडेक्स भी 8 प्रतिशत से ज्यादा गिर गया। खास शेयरों की बात करें तो सेमीकंडक्टर




और एआई से जुड़ी बड़ी कंपनियों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स करीब 10 प्रतिशत गिरा और एसके हाइनिक्स लगभग 12 प्रतिशत टूट गया। वहीं, एआई कारोबार में दुनिया के सबसे बड़े निवेशकों में से एक सॉफ्टबैंक ग्रुप भी इस सेक्टर में भविष्य के रिटर्न को लेकर चिंता के बीच 11 प्रतिशत गिर गया।

विशेषज्ञों के अनुसार, इस गिरावट से बढ़ता शक दिखा कि क्या एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, चिप्स और डेटा सेंटर में हो रहे भारी निवेश मौजूदा गति से जारी रहेंगे, अगर नियामक इस उद्योग के प्रति सख्त रुख अपनाते हैं। उन्होंने निवेशकों की पोजिशनिंग और मजबूरी में हुई बिकवाली को भी गिरावट बढ़ाने वाले कारकों के रूप में बताया।

एशियाई शेयरों में बिकवाली का दबाव गुरुवार रात अमेरिकी बाजारों में तेज गिरावट के बाद आया, जहां निवेशकों को चिंता हुई कि कांग्रेस में डेमोक्रेट्स की मजबूत मौजूदगी से तेजी से बढ़ रहे एआई सेक्टर की जांच बढ़ सकती है। इसके बाद टेक्नोलॉजी शेयरों पर भारी दबाव आया। नैस्डैक कंपोजिट 5.5 प्रतिशत गिर गया, जबकि एसएंडपी 500 में 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई और डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 3.4 प्रतिशत टूट गया। इसके अलावा, इस बिकवाली से एसएंडपी 500 कंपनियों की करीब 3 ट्रिलियन डॉलर की मार्केट वैल्यू खत्म हो गई और वॉल स्ट्रीट का वोलैटिलिटी इंडेक्स तेजी से बढ़ गया।

कमजोरी तेजी से एशिया में फैल गई, जहां टेक्नोलॉजी वाले बाजारों ने हाल के वर्षों में क्षेत्र के सबसे बड़े नुकसान में से कुछ दर्ज किए। कमोडिटी के मोर्चे पर, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड करीब 2 प्रतिशत बढ़कर 100.31 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी एक प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 91.91 डॉलर पर पहुंच गया।